संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -90 बुधवार , 31 जनवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव बनेंगी राधा रतूड़ी

देहरादून,30 जनवरी 2024 (ए)। उत्तराखंड का नया मुख्य सचिव कौन होगा, इस पर बना सस्पेंस खत्म हो चुका है। प्रदेश की नई मुख्य सचिव राधा रतूड़ी होंगी। बता दें कि 31 जनवरी को प्रदेश के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी देख रहे सुखबीर सिंह संधू का सेवा विस्तार खत्म हो रहा है। इससे पहले प्रदेश को पहली महिला मुख्य सचिव मिल गई है। राधा रतूड़ी की गिनती ईमानदार अफसरों में होती है। वह 1988 बैच की आईएएस अधिकारी हैं।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव का मामला पहुंचा हाईकोर्ट,सुनवाई आज

चंडीगढ़,30 जनवरी 2024 (ए)। चंडीगढ़ मेयर चुनाव का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस मामले पर कल यानि बुधवार को सुनवाई होगी और वैलिड बाक्स सील करने के लिए कहा गया है।

16 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट सपा ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी की

लखनऊ,30 जनवरी 2024 (ए)। समाजवादी पार्टी ने इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 16 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इसमें डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और अक्षय यादव जैसे बड़े नेताओं की सीटों की घोषणा की गई है। इंडिया गठबंधन की बैठकों के दौर के बीच ये लिस्ट जारी की गई है।

विपक्षी सांसदों का निलंबन होगा वापस

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का बजट सत्र से पहले एलान

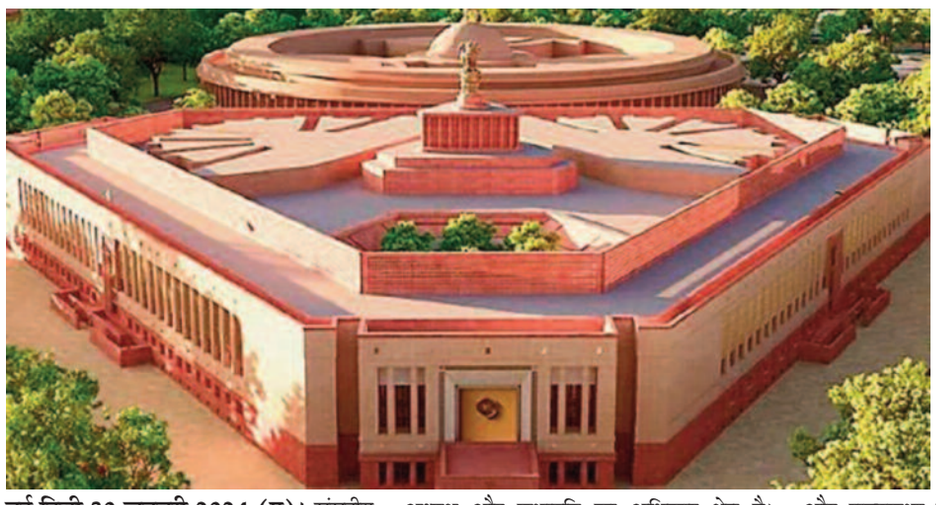

नई दिल्ली,30 जनवरी 2024 (ए)। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों से उन सांसदों का निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया है, जिन्हें संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान निलंबित कर दिया गया था। मंत्री ने बुधवार से शुरू होने वाले संसद के बजट सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक के बाद यह टिप्पणी की।

जोशी ने कहा, मैंने (लोकसभा) अध्यक्ष और (राज्यसभा) सभापति स बात की है। सभी (निलंबन) रद्द कर दिए जाएंगे। मैंने उनसे सरकार की ओर से भी अनुरोध किया है...यह अध्यक्ष और सभापति का अधिकार क्षेत्र है। इसलिए, हमने उन दोनों से अनुरोध किया है कि वे संबंधित विशेषाधिकार प्राप्त समितियों से बात करें, निलंबन रद्द करें और उन्हें सदन में आने का अवसर दें, जिसपर वे दोनों सहमत हो गए हैं।

आज से संसद आएंगे निलंबित सांसद

यह पूछे जाने पर कि क्या निलंबित सांसद कल से सदन में आएंगे, इस पर जोशी ने कहा, हां। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान नियमों का उल्लंघन करने के लिए अभूतपूर्व रूप से 146 विपक्षी सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था।

जोशी ने कहा कि बैठक में सत्तारूढ़ भाजपा समेत 30 दलों के 45 नेता शामिल हुए। श्री जोशी ने कहा, बैठक अनुकूल माहौल में हुई। यह छोटा सत्र है और 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र है। हमने सांसदों से तख्तियां लेकर नहीं आने का अनुरोध किया है।

बजट सत्र को लेकर कांग्रेस ने क्या कहा?

इस बीच,कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी दो अहम मुद्दे हैं जिन्हें पार्टी बजट सत्र में उठाएगी। उन्होंने कहा, ÷महंगाई और बेरोजगारी दो महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन्हें हम आगामी सत्र में उठाएंगे। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। ईडी जिस तरह से काम कर रही है, उसका ताजा उदाहरण झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन हैं। इसके अलावा, मणिपुर में अत्याचार जारी है। मैं विशेष रूप से यह कहना चाहता हूं कि देश पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, मैंने आर्थिक स्थिति, संघीय ढांचे, असम में राहुल गांधी की यात्रा पर हिंसक हमलों, किसानों की आय दोगुनी करने,ईडी-सीबीआई छापे, जाति जनगणना सहित अन्य मुद्दे उठाए हैं।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि अगर पीएम मोदी जीतते हैं तो कोई और चुनाव नहीं होंगे, तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकार लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती है। उन्होंने कहा, अगर वे चुनाव प्रक्रिया बदल दें तो क्या होगा? जनता को अपने अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहिए और मोदी सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए। कांग्रेस सांसद के सुरेश ने बीजेपी सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों को विपक्ष के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। वे विपक्ष को अस्थिर करना चाहते हैं क्योंकि वे विपक्षी एकता से डरते हैं।

टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने आरोप लगाया कि सरकार सवालों का जवाब देने को तैयार नहीं है। हमने 150 सांसदों के निलंबन का मुद्दा भी उठाया लेकिन सरकार का रवैया किसी भी सवाल का जवाब देने का नहीं है। बजट सत्र की शुरुआत बुधवार को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के साथ होगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी। सत्र 9 फरवरी को समाप्त होगा।

एएसपी की ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए उठापटक

रायपुर,30 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में एसपी-आईजी की ट्रांसफर लिस्ट तैयार कर ली गई है। लेकिन, डीआईजी और आईजी प्रमोशन पेंडिंग होने के अलावा एएसपी की ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए उठापटक से मामला लेट हो रहा है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के लिए भी तिथि की घोषणा होने से पहले यह ट्रांसफर,पोस्टिंग और प्रमोशन आदेश पाइप लाइन में है।

पुलिस अधीक्षकों के बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर की अटकलें फिर गर्म है इसके साथ ही कुछ आईपीएस अफसरों के प्रमोशन भी हो सकते हैं। आईजी और एसपी के लिए चर्चाओं का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में इस समय छह पुलिस रेंज हैं। इनमें से 4 से 5 आईजी पुलिस बदल जाएंगे। एसआईबी चीफ तो सत्ता बदलते ही बदल दिए जाते हैं। ऐसा हुआ भी और प्रतिनियुक्ति से लौटे वरिष्ठ आईपीएस अमित कुमार को जिम्मेदारी दे दी गई है।

अब तक़रीबन 33 में से आधे से ज्यादा जिलों के एसपी की ट्रांसफर लिस्ट बनकर तैयार है। एडिशनल एसपी स्तर के अफसरों की सूची भी जारी की जाएगी। सूत्रों की मानें तो एसपी से ज्यादा मशक्कत एएसपी लेवल के अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग में करनी पड़ी है।

प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि 89 आईएएस अफसरों का तबादला सरकार ने करके सूची 3 जनवरी को लिस्ट भी जारी कर दिया। लेकिन आईपीएस अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट अब तक जारी नहीं हुई है। लोकसभा चुनावों की तारीखें भी घोषित होने वाली हैं, ऐसे में जिन जिलों के एसपी के दो से ढाई साल के कार्यकाल हो चुके हैं उनका तबादला तो होना तय ही है।

अजातशत्रु,डॉ लाल उमेद शशिमोहन आएंगे

पिछली सरकार में लंबा समय बटालियन में गुजरने की वजह से कोरबा एसपी जितेंद्र शुक्ला यथावत रह सकते हैं। बटालियन वाले अजातशत्रु बहादुर सिंह, शशिमोहन सिंह, रजनेश सिंह को भी अच्छी पोस्टिंग मिलने की प्रबल संभावना है। जबकि लाल उमेंद सिंह भी राजधानी या फिर दुर्ग-भिलाई लाए जा सकते हैं।

डीआईजी और आईजी प्रमोशन भी ड्यू

ज्ञात हो कि ट्रांसफर-पोस्टिंग के अलावा कुछ आईपीएस अधिकारीयों के प्रमोशन भी पेंडिंग है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक डीपीसी की फाइल गृह मंत्री कार्यालय गई थी जो कि, अनुमोदित होकर मंत्रालय वापस पहुंच चुकी है।

इंडिगो के पायलट पर एक्शन

एटीसी की मंजूरी के बिना उड़ान भरने के आरोप में हटाया गया

नई दिल्ली,30 जनवरी 2024 (ए)। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की आवश्यक मंजूरी के बिना उड़ान भरने के आरोप में इंडिगो पायलट को सेवा से हटा दिया गया है। एक सूत्र ने मंगलवार को ये जानकारी दी। सभी तथ्यों की पुष्टि और जांच होने तक रोक लगी रहेगी। बताया जाता है कि इंडिगो की दिल्ली-बाकू फ्लाइट 6ई 1803 से जुड़ी यह घटना 28 जनवरी की शाम को हुई थी।

एक वरिष्ठ विमानन निगरानी अधिकारी ने कहा, सभी तथ्यों की जांच करने के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जांच लंबित रहने तक पायलट को हटा दिया गया है। मामले की जांच चल रही है। इस बीच, इंडिगो ने भी एक बयान में कहा कि 28 जनवरी को दिल्ली और बाकू के बीच संचालित इंडिगो उड़ान 6ई 1803 के बारे में रिपोर्टों के संदर्भ में घटना की फिलहाल जांच की जा रही है और आवश्यकतानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

1 फरवरी से बदल जाएंगे 6 बड़े नियम,जेब पर पड़ेगा भारी बोझ !

नई दिल्ली,30 जनवरी 2024 (ए)। 1 फरवरी के बाद से 6 बड़े नियम बदलाव आ रहे हैं। इसका असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। अगर आपका कोई जरूरी काम है तो उसे इस महीने के अंत तक पूरा कर लें, नहीं तो आपको काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आम आदमी की जेब पर पड़ेगा भारी बोझ। हर महीने की शुरुआत में सरकार नियमों में बदलाव करती है। जनवरी महीने का एक दिन ही बचा है। इसके बाद फरवरी का महीना शुरू हो जाएगा। इस महीने 6 बड़े नियमों में बदलाव किया जा रहा है।

आरबीआई ने बदलाव कर आम आदमी को बड़ी राहत दी है। अब आप बिना लाभार्थी का नाम जोड़े अपने बैंक खाते से 5 लाख रुपये ट्रांसफर कर सकते हैं। पिछले साल एनपीसीआई ने 31 अक्टूबर को इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया था। जिन लोगों ने अभी तक फास्टटैग केवाईसी पूरी नहीं की है। उनके फास्टटैग को प्रतिबंधित या ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने फास्टटैग केवाईसी अपडेट करने की आखिरी तारीख 31 जनवरी तय की है।

12 जनवरी 2024 को पीएफ आरडीए ने एनपीएस से आंशिक निकासी के संबंध में एक सर्कुलर जारी किया। यह 1 फरवरी से लागू होगा। सर्कुलर में कहा गया है कि एनपीएस खाताधारक के व्यक्तिगत पेंशन खाते से नियोक्ता योगदान को छोड़कर 25प्रतिशत तक निकासी की जा सकती है।

इसके लिए आपको सबसे पहले आवेदन करना होगा। इसके बाद सरकारी नोडल कार्यालय प्राप्तकर्ता को नामांकित करता है। सत्यापन के बाद आंशिक निकासी संभव है।

भारतीय स्टेट बैंक एक विशेष होम लोन अभियान चला रहा है। इसमें होम लोन पर 65 बीपीएस तक की छूट दी जा रही है। आप 31 जनवरी 2024 तक होम लोन प्रोसेसिंग शुल्क रियायत का लाभ उठा सकते हैं। पंजाब एंड सिंध बैंक द्वारा संचालित 'धन लक्ष्मी 444 डेज' नाम से एफडी का लाभ 31 जनवरी 2024 तक लिया जा सकता है।

बीजेपी नेता के हत्यारे पीएफआई के 15 वर्करों को सजा-ए-मौत

तिरुवनंतपुरम,30 जनवरी 2024(ए)। केरल की एक अदालत ने प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 15 वर्करों को भाजपा नेता की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई है। भाजपा के OBC विंग के नेता रंजीत श्रीनिवासन की 19 दिसंबर 2021 को हत्या कर दी गई थी। कोर्ट ने कहा था कि आठ दोषी, जिनकी पहचान निजाम, अजमल, अनूप, मोहम्मद असलम, अब्दुल सलाम उर्फ सलाम पोन्नद, अब्दुल कलाम, सफरुद्दीन और मनशद के तौर पर हुई है, वे रंजीत श्रीनिवास के मर्डर में सीधे तौर पर शामिल थे। अन्य दोषियों की पहचान जसीब राजा, नवास, शमीर, नसीर,जाकिर हुसैन, शाजी पूवाथुंगल और शमनास अशरफ के तौर पर हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी लीडर रंजीत श्रीनिवासन की हत्या में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' से जुड़े कार्यकर्ता शामिल थे। इन लोगों ने 19 दिसंबर 2021 को रंजीत को घर में उनके परिवार के सामने बुरी तरह पीटा था और उनकी हत्या कर दी थी।

पुलिस...न्यायाधीशों को पहले प्रशिक्षित करें,सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली,30 जनवरी 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष देशभर से तरह-तरह की याचिकाएं दायर की जाती हैं। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ चुनौती के तौर पर कई याचिकाएं दायर की जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करता है और फैसला सुनाता है। हालाँकि जब इसी तरह का एक मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने सुनवाई के लिए आया, तो न्यायाधीशों पर गुस्सा व्यक्त करते हुए गुजरात सरकार और गुजरात उच्च न्यायालय को लताड़ लगाई है।

एक कारोबारी को अग्रिम जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेजने के मामले में गुजरात हाई कोर्ट और गुजरात सरकार को नोटिस दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकार के व्यवहार पर अपनी कड़ी नाराजगी इन शब्दों में व्यक्त की कि इस प्रकार का व्यवहार 'अदालत की घोर अवमानना' है।

गुजरात में जजों और पुलिस को प्रशिक्षण की जरूरत है

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुजरात में जजों और पुलिस को प्रशिक्षण की जरूरत है। उद्योगपति रजनीकांत शाह को 8 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत दे दी थी। हालाँकि, गुजरात की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने शाह को 13 से 16 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसके खिलाफ शाह ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की। ऐसा लगता है गुजरात में अलग कानून हैं

याचिकाकर्ता को पुलिस हिरासत में भेज देना गलती थी। इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता और न ही उचित ठहराया जाना चाहिए। गुजरात में गिरफ्तारी से पहले जमानत देते समय, यह उल्लेख किया गया है कि जांच अधिकारी को अभी भी हिरासत मांगने का अधिकार है, ऐसा याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा था।

केरल की कोर्ट ने सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपियों को सुनाई 90-90 साल की सजा

- चाय के बागान में लूटी थी नाबालिग की अस्मत
- सभी को एक साथ काटनी होगी सजा
- कोर्ट ने 40,000 रुपये का जुर्माना लगाया
- चौथे को आरोपी को कोर्ट ने बरी किया

केरल,30 जनवरी 2024 (ए)। केरल की एक कोर्ट ने मंगलवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन लोगों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों को साल 2022 में पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक की 15 वर्षीय बेटी के साथ एक चाय बागान में सामूहिक दुष्कर्म करने का दोषी पाया। इसके लिए कोर्ट ने तीनों को 90-90 साल की सजा सुनाई।

देवीकुलम फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के जज सिराजुदीन पीए ने तीन लोगों को पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी के प्रावधानों के तहत 90-90 साल की सजा सुनाई।

विशेष लोक अभियोजक स्मिजू के दास ने कहा,

क्योंकि सभी को सजा एक साथ काटनी होगी और पुरुषों को दी गई जेल की अधिकतम सजा 25 साल थी, इसलिए वे 25 साल जेल में रहेंगे।

कोर्ट ने दो सजाएं सुनाई

स्पेशल कोर्ट ने तीनों को धारा 376(3) 16 साल से कम उम्र की महिला से दुष्कर्म के तहत अपराध के लिए 20 साल और धारा 376 डीए (16 साल से कम उम्र की महिला से सामूहिक दुष्कर्म) के तहत 25 साल कैद की सजा सुनाई।

इसके साथ ही कोर्ट ने तीनों दोषियों को पॉक्सो अधिनियम की धारा 4(2) (सोलह साल से कम उम्र के बच्चे पर यौन हमला) के तहत 20 साल और धारा 5 (जी) (एक बच्चे पर सामूहिक यौन हमला) के तहत 25 साल की कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने तीनों के ऊपर 40,000 रुपये का जुर्माना भी लगाते हुए निर्देश दिया कि इन पैसों को पीड़ित को दे दी जाएगी।

पीड़ित मुआवजा योजना के तहत मुआवजा देने का आदेश

वहीं, कोर्ट ने इडुक्की-थोडुपुझा जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण को पीड़ित मुआवजा योजना के तहत मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।

अब ईडी के रडार पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव

- चार्ज शीट में किसका नाम ?
- ईडी बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से पूछताछ करने वाली है

पटना,30 जनवरी 2024 (ए)। बिहार में सत्ता बदलने के बाद अब सबकी नजरें राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की ईडी जांच करेगी। लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को लालू प्रसाद से 9 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की। आज उनके बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से ईडी पूछताछ करने वाली है।

बताया जा रहा है कि तेजस्वी यादव ईडी के दफ्तर पहुंचेंगे। इससे पहले 22 दिसंबर और 5 जनवरी को भी ईडी ने तेजस्वी यादव को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह दोनों बार ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। इससे पहले 11 अप्रैल 2023 को ईडी ने इस मामले में तेजस्वी यादव से 8 घंटे तक पूछताछ की थी।

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के एक दिन बाद ईडी ने तेजस्वी यादव को पूछताछ का नोटिस जारी किया है। लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी ने 19 जनवरी को तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव को नोटिस भेजा था। सोमवार को लालू यादव से ईडी ने करीब 9 घंटे तक पूछताछ की।

सोनिया गांधी को राज्यसभा भेजने वाली बात गलत

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने मीडिया रिपोर्टों को किया खारिज

बेंगलुरु,30 जनवरी 2024 (ए)। कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों को गलत और अटकलबाजी करार देते हुए खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को राज्य से राज्यसभा सीट की पेशकश की जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है।

मीडिया के एक वर्ग में ऐसी खबरें आई हैं कि सोनिया गांधी आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सकती हैं और उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सीट दी जा सकती है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने ऐसी रिपोर्टों पर एक सवाल के जवाब में कहा, ÷ऐसी सभी सूचनाएं झूठी हैं, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। आप (मीडिया) ऐसी अटकलें लिख रहे हैं, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। सोनिया गांधी ने 1999 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक के बेल्लारी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता दिवंगत सुषमा स्वराज को हराकर जीत हासिल की थी। शिवकुमार ने मांड्या जिले के केरागोडु गांव में 108 फुट ऊंचे ध्वजदंड से फहराए गए हनुमान ध्वज को हटाने को लेकर विवाद के लिए भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) (जद-एस) पर निशाना साधा।

संपादकीय

एनडीए में सीट बंटवारा आसान नहीं होगा

बिहार में भाजपा और जदयू ने फिर सरकार बना ली और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन गए लेकिन उसके बाद एनडीए के भीतर सीट बंटवारे का मामला उलझ गया। पहले 'इंडिया' के भीतर सीट बंटवारा उलझा हुआ था और अब एनडीए में उलझन शुरू हो गई। चिराग पासवान ने अभी इस बारे में कोई बात नहीं की है तो जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा और पशुपति पारस भी सीटों के आकलन में जुटे हैं। राज्य की 40 लोकसभा सीटें हैं और पिछली बार भाजपा, जदयू के साथ लोक जनशक्ति पार्टी थी। भाजपा और जदयू के बीच 17-17 सीटें बंटी थीं और लोजपा को छह सीट मिली थी। इस बार लोजपा दो खेमों में बंट गई है, जिनमें से एक का नेतृत्व चिराग पासवान कर रहे हैं तो दूसरे की कमान पशुपति पारस के हाथ में है। इनके अलावा पिछली बार महागठबंधन के साथ रहे उपेंद्र कुशवाहा भी एनडीए के साथ हैं और जीतन राम मांझी भी हैं। सो, इन दो नई पार्टियों को एडजस्ट करना होगा।

सबसे पहले भाजपा और जदयू के बीच सीट बंटवारा फाइनल करना होगा। बताया जा रहा है कि पिछली बार की तरह इस बार जदयू को 17 सीटें नहीं मिलेंगी। लेकिन ऐसा भी नहीं होग कि नीतीश कुमार बहुत कम सीटों पर राजी हो जाएंगे। अगर कहा जा रहा है कि उनके कोटे की दो या तीन सीटें लेकर उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को दी जाएंगी। यानी नीतीश जितनी सीट छोड़ेंगे उतनी ही सीट कुशवाहा और मांझी को मिलेगी। पहले की तरह लोक जनशक्ति पार्टी को छह सीटें दी जाएंगी। ये छह सीटें चाचा-भतीजा यानी पशुपति पारस और चिराग पासवान के बीच बंटेंगी। ध्यान रहे 2014 के लोकसभा चुनाव के समय भाजपा ने लोजपा को सात सीट दी थी, लेकिन 2019 में इसे छह किया गया और बदले में भाजपा ने एक राज्यसभा की सीट रामविलास पासवान को दी थी, जो उनके निधन के बाद भाजपा ने फिर वापस से ली थी। कहा जा रहा है कि इस बार राज्यसभा की एक सीट फिर से लोजपा को ऑफर की जा सकती है। इस तरह छह लोकसभा और एक राज्यसभा सीट के जरिए चिराग और पारस को एडजस्ट किया जाएगा।

भाजपा के लिए क्यों जरूरी हो गए नितिश

बिहार में गठबंधन बदल का लगभग पूरी तरह से एकपक्षीय विश्लेषण किया जा रहा है। मीडिया में सिर्फ इस बात की चर्चा है कि नीतीश कुमार बेहद अविश्वनीय नेता हैं और उनका कोई वैचारिक आधार नहीं है। उनके बरक्स लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव की राजनीति को बेहतर और परिपक्व बताया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि नीतीश की राजनीति सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए होती है। यह व्याख्या पिछले कुछ बरसों के राजनीतिक घटनाक्रम पर आधारित है और एक हद तक सही है। लेकिन इस एकपक्षीय व्याख्या से पूरी तस्वीर साफ नहीं होती है।

बिहार में जितनी बार गठबंधन में बदलाव होता है और नई सरकार बनती है उतनी बार नीतीश कुमार के साथ एक दूसरी पार्टी भी शामिल होती है। अगर नीतीश वैचारिक और राजनीतिक रूप से बेईमान हैं तो उनके साथ सरकार बनाने वाली दूसरी पार्टियां कैसे ईमानदार और उनके मुकाबले बेहतर मानी जा सकती हैं? आज अगर राजद और कांग्रेस को छोड़ कर नीतीश ने भाजपा के साथ सरकार बनाई है तो इस पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण भाजपा की राजनीतिक मजबूरी के नजरिए से भी की जानी चाहिए। भाजपा को लग रहा था कि अगर 2024 की उसकी संभावनाओं को कहीं से नुकसान हो सकता है तो वह बिहार है और नुकसान पहुंचा सकने की हैसियत वाले नेता नीतीश कुमार हैं। इसलिए उसने राजद और जदयू के बीच के विवाद को भांप कर नीतीश के साथ फिर तालमेल के लिए कदम बढ़ाया।

ध्यान रहे नीतीश कुमार की सत्ता को अभी तत्काल कोई चुनौती नहीं थी। यह सही है कि लालू प्रसाद और उनके कुनबे ने और साथ ही उनकी पार्टी ने कई तरह से नीतीश कुमार पर इस बात का दबाव बनाया था कि वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनवा दें लेकिन अगर नीतीश नहीं बनवाते तो इस बात की संभावना शून्य थी कि राजद समर्थन वापस लेकर उनकी सरकार गिरा देती। सो, नीतीश की सत्ता के सामने चुनौती नहीं थी। यह अंदाजा भी सबको था कि राजद, जदयू, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों का महागठबंधन एकजुट रहा और साथ मिल कर चुनाव लड़ा तो बिहार में भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। सी वोटर के चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में बताया गया था कि राज्य की 40 में से आधी से ज्यादा लोकसभा सीटें महा गठबंधन के खाते में जाएंगी। सोचें, पिछली बार जदयू के साथ होने से एनडीए को 39 सीटें मिली थीं। राजद को शून्य और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। इस बार नीतीश के उधर जाने से चुनावी पलड़ा उनके पक्ष में झुक रहा था।

भाजपा के एक और आंतरिक सर्वेक्षण की खबरें सामने आ रही हैं, जिसके मुताबिक बिहार में अत्यंत पिछड़ी जातियों का समर्थन नीतीश कुमार के प्रति कायम है। इसके अलावा गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी बड़ा हिस्सा नीतीश के साथ है। बिहार में हुई जाति गणना और उस आधार पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने से पिछड़े और अति पिछड़े मतदाताओं में नीतीश की साख और बेहतर होने की खबर है तो लाखों की संख्या में शिक्षकों की बहाली का श्रेय भी नीतीश को मिल रहा है। तभी भाजपा लोकसभा चुनाव की संभावनाओं को लेकर चिंता में आई। दूसरे, नीतीश विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भीतर सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थे और उन्होंने विपक्षी पार्टियों को एकजुट किया था। तभी भाजपा को लग रहा था कि अगर नीतीश फिर से उसके साथ आते हैं तो एक तीर से दो शिकार होगा। पहले तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का अभियान पंक्चर होगा और वह भी तब जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार पहुंचने वाली है और दूसरे, बिहार में भाजपा का रेनबो समीकरण बहुत मजबूत हो जाएगा। ध्यान रहे भाजपा के साथ चिराग पासवान और जीतन राम मांझी पहले से हैं। यानी दलित और महादलित दोनों के सबसे महत्वपूर्ण नेता भाजपा के साथ हैं।

दलित और महादलित के अलावा नीतीश के साथ आने से गैर यादव पिछड़ी जातियां मतलब कोईरी, कुर्मी और धानुक का आठ फीसदी वोट पूरी तरह से भाजपा के साथ आएगा और साथ ही अति पिछड़ी जातियां पूरी तरह से भाजपा गठबंधन के साथ एकजुट होंगी। नीतीश ने लालू प्रसाद के खिलाफ अपनी राजनीति लव-कुश समीकरण से शुरू की थी, जिसमें कुशवाहा नेता के तौर पर शकुनी चौधरी उनके साथ थे। अब शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी को भाजपा ने नीतीश की सरकार में उप मुख्यमंत्री बनवाया है। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। खुद नीतीश कुर्मी और धानुक पर पूरा असर रखते हैं। उनके साथ आने से पिछड़ी जाति के 27 फीसदी वोट में 14 फीसदी यादव छोड़ कर बाकी वोट एनडीए के साथ एकजुट हो सकता है। जाति गणना के मुताबिक बिहार में 36 फीसदी अति पिछड़ी जातियां हैं, जिनमें आठ फीसदी के करीब मुस्लिम हैं। भाजपा की वजह से उसे अलग भी कर दें तो बचे हुए 28 फीसदी वोट में एनडीए को चुनौती नहीं रह जाएगी। सीएसडीएस के सर्वेक्षण के मुताबिक 2014 में जब भाजपा अकेले लड़ी थी तब 52 फीसदी अति पिछड़ा वोट उसको मिला था और 2019 में जदयू के साथ लड़ी तो 75 फीसदी अति पिछड़ा वोट एनडीए को मिला। इस तरह नीतीश के साथ आने से गैर यादव पिछड़ा वोट का बड़ा हिस्सा और अति पिछड़ा वोट का लगभग समूचा हिस्सा एनडीए की ओर जा सकता है। भाजपा ने अगड़ी जाति के विजय सिन्हा को दूसरा उप मुख्यमंत्री बना कर अपने उस कोर वोट को भी स्पष्ट मैसेज दिया है।अगर राजनीति का मकसद सत्ता हासिल करना है तो उस नजरिए से ही बिहार के घटनाक्रम की व्याख्या होनी चाहिए। यह सिर्फ नीतीश के सत्ता मोह की बात नहीं है, यह समान रूप से लालू प्रसाद के परिवार और नरेंद्र मोदी के भी सत्ता मोह की बात है। नीतीश पर निशाना साधने से पहले इस पहलू से भी देखने की जरुरत है। सोचें, नीतीश ने 1994 से लालू विरोध की राजनीति शुरू की और उनके व उनकी पत्नी के शासन को जंगल राज बता कर लड़ाई लड़ी। तभी दो दशक से ज्यादा की लड़ाई के बाद जब नीतीश ने 2015 में राजद से तालमेल किया तो क्या अवसरवादी सिर्फ नीतीश हुए? या लालू प्रसाद भी उतने ही अवसरवादी माने जाएंगे? फिर नीतीश ने 2017 में राजद को छोड़ दिया और भाजपा में चले गए तो लालू और उनके परिवार ने नीतीश को 'पलटू' की संज्ञा दी और उनके बारे अनान-शनाप बातें कहीं। लेकिन फिर अगस्त 2022 में नीतीश वापस राजद के साथ आए तो लालू का पूरा परिवार फिर उनके चरणों में था! यही कहानी दूसरी तरफ की भी है। नीतीश ने 2013 में भाजपा को छोड़ा, फिर 2017 में साथ लौटे, फिर 2022 में छोड़ा और अब 2024 में वापस लौटे हैं। हर बार साथ छोड़ने पर भाजपा नेताओं ने उनकी आलोचना की और साथ आने पर महान बताया। तो इससे भाजपा का भी चरित्र सामने आता है। कह सकते हैं कि नीतीश ने राजद और भाजपा दोनों के चरित्र को एक नहीं कई बार उजागर किया है।

एक और अहम बात यह है कि बिहार में जो कुछ भी हो रहा है या नीतीश कुमार जो कुछ भी कर रहे हैं वह असल में भारतीय राजनीति का चरित्र है। भारत की राजनीति सिर्फ और सिर्फ सत्ता के लिए है। उसमें विचारधारा या नैतिकता का कोई मतलब नहीं होता है। नीतीश ज्यादा निशाने पर इसलिए हैं क्योंकि दिल्ली में प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में बिहार के पत्रकारों की बहुतायत है और वे अपने राज्य की घटनाओं को देश की घटना बता कर बहुत ज्यादा प्रचारित करते हैं। अन्यथा जो बिहार में हुआ है वह पूरे देश की कहानी है। हाल में एचडी देवगौड़ा ने भाजपा से तालमेल किया है। सोचें, वे कितनी बार भाजपा और कांग्रेस से तालमेल कर चुके हैं? पांच साल पहले ही उनके बेटे एचडी कुमारस्वामी कांग्रेस की मदद से मुख्यमंत्री बने थे और भाजपा ने उनकी सरकार गिराई थी। लेकिन अब वे भाजपा के साथ हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश की कोई पार्टी नहीं बची है, जिसके साथ मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने तालमेल नहीं किया है। डीएमके और अन्ना डीएमके दशकों से कांग्रेस और भाजपा से गठबंधन की अदला-बदली करते रहे हैं। इसलिए बिहार को इनसे अलग करके देखने की जरुरत नहीं है।

-अजीत द्विवेदी-

भाजपा से लड़ने के लिए एकत्रित हुए विपक्षी दल आपस में ही लड़ते नजर आ रहे हैं

देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है...

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है।

देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेंच सामने आ गया है। यह पेंच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का

अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, मगर कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली।

वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे हैं। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते।

आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस द्वारा अन्य राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं को स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस के वर्तमान रवैए को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता। एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल युनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे।

इसी प्रकार की स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढ़ी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव-सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की आत्मघाती भूल कर चुकी है। भगवान राम से भारत की जनता का सीधा संबंध है, जिसे कोई भी राजनीतिक दल नकारने का साहस नहीं कर सकता। विपक्षी राजनीतिक दलों को भविष्य की राजनीति की ओर कदम बढ़ाना है तो उसे भारत की आस्था को सम्मान देना ही होगा, नहीं तो जो स्थिति पहले हुई, वैसी ही स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

-सुरेश हिन्दुस्थानी-

निराशा को आशाजनक अवसरों में बदलने की खिड़की है परीक्षा पे चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान दिया गया उद्बोधन एवं गुरु मंत्र छात्रों के लिये ऐसा आलोक स्तंभ है जो भविष्य की अजानी राहों एवं परीक्षा के जटिल क्षणों में पांव रखते समय उस आलोक को साथ में रख लिया गया तो उनके मार्ग में कहीं भी अवरोध, तनाव एवं संकट नहीं आ सकेगा। क्योंकि मोदी के ये गुरुमंत्र उनकी समर्थता, सिद्धता, अनुभव एवं साधना से उपजे हैं जो छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों और अभिभावकों के लिये भी रामबाण औषधि की तरह हैं। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर छात्रों के अंदर डर और तनाव दोनों होता है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों के भीतर से इस डर और तनाव को समाप्त करने के लिए हर साल 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम करते हैं। इस वर्ष भारत मंडपम, आईटीपीओ, नई दिल्ली में हुए इस अनूठे एवं प्रेरक कार्यक्रम में जहां तकरीबन 4,000 छात्रों ने हिस्सा लिया, वहीं लगभग 2.26 करोड़ रजिस्ट्रेशन हुए थे, जो एक रिकॉर्ड है। यह परीक्षा पर चर्चा का 7 वां संस्करण है, जिसमें छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत करते हुए परीक्षाओं को तनाव का कारण न बनने देने की सीख दी। इस विलक्षण प्रयोग एवं उपक्रम में छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं के पंख खोले। वे परीक्षा से जुड़े अनेक संदेहों, शंकाओं एवं डर को लेकर यहां आये, लेकिन लौटते समय उन चेहरों पर संतोष की झलक थी। उन्होंने कुछ अद्भुत या मौलिक, समाधानकारी एवं प्रभावी पाया या नहीं, लेकिन जितना पाया वह उनकी उम्मीद से अधिक था। वे ही नहीं, भारत के असंख्य छात्रों एवं परीक्षार्थियों के लिये यह आयोजन नवऊर्जा एवं नयी दिशाओं के उद्घाटन का माध्यम बना है, जहां से छात्रों के जीवन में व्यापक परिवर्तन, उत्साह एवं जिजीविषा की ज्योति प्रज्वलित हुई है।

प्रधानमंत्री इस बात को बखूबी समझते हैं कि पढ़ाई और परीक्षा का तनाव छात्रों के लिए अभिशाप है। वे शिक्षा के स्तर को तो सुधार ही रहे हैं, लेकिन 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से छात्रों का मनोबल भी बढ़ा रहे हैं ताकि परीक्षा तनावमुक्त हो और मोदी के गुरु मंत्रों का सीधा फायदा छात्रों को मिले। 'परीक्षा पे चर्चा' की विशेषता यह है कि इससे जुड़े प्रतिभागी किसी खास वर्ग, क्षेत्र, उम्र, जाति या धर्म के न होकर भारत के सभी राज्यों से लेकर विदेश तक के जूनियर और सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थी के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संवाद की व्यापकता विद्यार्थियों द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर में अपनी बात को केवल परीक्षा तक ही सीमित न कर उसे जीवन से जोड़ देती है। विद्यार्थी जीवन में आने वाली अनेक समस्याएं प्रायः किसी न किसी रूप में जीवन के दूसरे पड़ाव में भी जरूर आती हैं। नरेन्द्र मोदी के शब्दों का जादू और भारत की शिक्षा को ऊंचाई तक ले जाने की तड़प ने एक-एक छात्र एवं शिक्षक को भीतर तक हिला दिया। इस अभिक्रम को देख कुछ लोग तो आश्चर्य में डूब गये क्योंकि मोदी ने शुरुआत में ही कहा कि छात्र पहले से कहीं अधिक नवोन्मेषी हो गए हैं, इसलिये यह कार्यक्रम मेरे लिए भी एक परीक्षा की तरह है। उन्होंने माता पिता से कहा कि आपको किसी बच्चे की तुलना किसी दूसरे से नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उसके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। कुछ माता-पिता अपने बच्चे के 'रिपोर्ट कार्ड' को अपना 'विजिटिंग कार्ड' मानते हैं, यह ठीक नहीं है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा और चुनौतियां जीवन में प्रेरणा का काम करती हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। इसके लिये उन्होंने प्रेरणा, आत्मविश्वास, एकाग्रता, आशा, उत्साह, समय और तनाव प्रबंधन आदि ऐसे अनेक विषयों पर बोला जो विद्यार्थी से लेकर आम व्यक्ति के जीवन को उजालने के लिये जरूरी है।

-ललित गर्ग-

आज का इतिहास

यहाँ इतिहास हैं
सब कुछ दफन है
सिवाय इसके कि लेखन
को केवल मूर्तियों और कंकालों
के रूप में लिया जा रहा है....
नया इतिहास कुछ भी नहीं लिखा है
इसलिए.आज की खबर
कल के विज्ञापनों केअलावा
इतिहास जैसा कुछ भी नहीं
यहाँ बड़ी मुहर मुक्का नहीं मारा जा रहा
भले ही इसने इतिहास बना दिया हो
बिलकुल पुराना कल्पना के रूप में
यह बस वहीं हो रहा है
आज का नया
कई इतिहास के अवशेष

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

उच्च शिक्षा का विस्तार

हमारे देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में लगभग 4,32,68, 181 छात्रों का नामांकन है। उच्च शिक्षा में अधिकाधिक नामांकन, विशेष रूप से महिलाओं, अल्पसंख्यक वर्ग,एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों का नामांकन कराने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। यूजीसी के अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार, 2014-15 की तुलना में छात्राओं के नामांकन में 32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वहीं एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के नामांकन में 65.2 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। अल्पसंख्यक वर्गों से आने वाले छात्रों की संख्या 38 प्रतिशत बढ़ी है। इन वर्गों की छात्राओं की संख्या भी 42.3 प्रतिशत बढ़ी है। बीते एक दशक में छात्रवृत्ति देने, छात्रावास और पढ़ाई में लचीलापन आदि जैसी कोशिशों के साथ-साथ नामांकन करने के लिए जागरूकता पर भी ध्यान दिया गया है।

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पाठ्यक्रमों में सुगमता और ग्रेड/क्रेडिट के स्थानांतरण जैसी व्यवस्थाओं से आगामी वर्षों में नामांकन में और बढ़ोतरी की आशा है। नामांकन में वृद्धि केवल संख्या का मामला नहीं है,बल्कि इससे यह भी इंगित होता है कि उच्च शिक्षा उत्तरोत्तर समावेशी होती जा रही है। अधिक छात्रों का उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अर्थ यह भी है कि परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो रही है और वे अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। यह स्थापित तथ्य है कि शैक्षणिक विषमता आर्थिक और सामाजिक विषमता का प्रमुख कारक है। शैक्षणिक क्षमता व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र की क्षमता का भी बड़ा आधार है. आर्थिक परेशानियों के कारण बड़ी संख्या में छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और वे सामान्य रोजगार में लग जाते हैं। छात्रवृत्तियों और आसान ऋण जैसे उपायों से इस समस्या का बहुत हद तक समाधान किया जा सकता है। यह संतोषजनक है कि ऐसे उपाय हो रहे हैं. पीएचडी में नामांकन में 2014-15 की तुलना में 2021-22 में 81.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस पाठ्यक्रम में महिलाओं के नामांकन में तो 107 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष एम जगदीश कुमार ने उचित ही रेखांकित किया है कि शोध में बढ़ती रुचि,विशेषकर महिलाओं में,से भारतीय शिक्षा और अन्वेषण के भविष्य के लिए बड़ी आशा मिलती है। विज्ञान,तकनीक,इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा में लैंगिक खाई को पाटना अभी भी प्राथमिकता है। विज्ञान में महिलाओं के नामांकन में 35.1 प्रतिशत की बढ़त हुई है, पर अन्य क्षेत्रों में अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। सुविधाओं और संसाधनों में वृद्धि तो हो रही है,नामांकन भी बढ़ रहा है,पर देश के कई विश्वविद्यालयों, विशेषकर महाविद्यालयों, में पढ़ाई के स्तर को बढ़ाने के साथ-साथ समय पर पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

-गुलाबी जगत-

भारत बोल रहा है

बोल रहा है भारत अपना मैं अविचल और अविनाशी हूँ।
क्या मजाल रे मिटाने वाले मैं अविचल अविनाशी हूँ ।।
अस्तित्व मेरा तब भी था जब तेरा कोई पता नहीं ।
अस्तित्व मेरा तब होगा जब तेरा कोई पता नहीं ।।
एक समय तब एक दुष्ट मुझे सागर में डूबाने आया था ।
फिर वराह रूप उस विष्णु ने मुझको फिर तारा था ।।
फिर तेरी क्या औकात रे पापी तुम भर रहा अपना पाप घड़ा ।
नरसिंह रूप फिर आएंगे फोड़ेंगे तेरा पाप घड़ा ।।
रावण से तुम बड़ा नहीं फिर उसका भी तो हुआ अंत ।
अब तुम अपने दिन गिनो होना भी है तेरा भी अंत ।।
दुष्ट और दंभी तब भी थे जब श्री कृष्ण लिए थे अवतार ।
एक-एक कर सारे दुष्टों का उस कलाधारी ने किया संघार ।।
दानवीर की है या धरती दधीचि करे अपने तन को दान ।
अंगूठा सहित कवच-कुंडल भी बताता कितना दान महान ।।
मुझे पता है यह कलयुग है ,अधर्मी की कमी नहीं ।
पर समय-समय पर अधर्मी का हिसाब करने में कमी नहीं ।।
प्रश्न उठाना तेरा मकसद मंसूबे तेरे होंगे नाकाम ।
आर्यावर्त की शान शौकत को कम करना तेरा ही काम ।।
पर मंसूबा अधूरा रहेगा जब तक जिंदा मेरे लाल ।
समय-समय पर परशु-राम-कृष्ण-शंकर-विवेक का होता
रहेगा धरा पर अवतार ।।

कमलेश झा
नगरपारा
भागलपुर
बिहार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

लघुकथा : हथकंडे

कंधे पर बैग लटकाए एक युवक बस पर चढ़ा। सामने एक भी सीट खाली नहीं थी। पीछे की ओर नजरें दौड़ाई। एक सीट दिखी उसे, जिस पर एक युवती पहले से बैठी हुई थी। जाकर बैठ गया उसी सीट पर। युवती को अन्कम्फर्टेबल लगा। बोली तो कुछ नहीं, पर वह चाहती थी कि युवक उस सीट पर न बैठे।

बस चल पड़ी। युवक बिल्कुल शांत बैठा हुआ था। अब बस जितनी तेज गति से चलने लगी , उतनी ही तेजी से युवती का दिमाग चलने लगा। आखिर उसने मन बना ही लिया कि युवक को अपनी सीट से जैसे भी हो भगाया जाय। फिर उसने अपना तमतमाया-सा चेहरा बनाया। झिड़की निकली- ऐ मिस्टर ! ठीक से बैठिए। ये क्या है ? आप जैसे लड़कों को मैं अच्छी तरह समझती हूँ। शरीफ लड़कियों को देखते ही बस...।

युवती की कैं... कैं... आवाज सुन बस के सभी यात्री युवक पर चिल्लाने लगे। युवक कुछ कह ही रहा था कि सबने उसे चुप करा दिया। युवक को सीट से उठना ही पड़ा। युवती मुस्कुरा रही थी।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

वजह वो है

मेरी जीने की वजह,
वो है
मेरी हँसने की वजह,
वो है
मेरी रोने की वजह,
वो है
मेरी सफलता की वजह,
वो है.
कदम,कदम पर
साथ देने वाले
वो है.
मुश्किलों से बचाने वाले,
वो है
मुझे संभालने वाले,
वो है
मुझे समझने वाले,
वो है
प्यार से रानी बनाने वाले,
वो है

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

कलेक्टर के आश्वासन के बाद एकलव्य स्कूल के बच्चों ने समाप्त किया धरना प्रदर्शन

- संवाददाता -
प्रतापपुर(सूरजपुर),30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

मंगलवार की सुबह से ही प्राचार्य व अधीक्षिका को हटाने की मांग को लेकर जनपद पंचायत परिसर में धरने पर बैठे एकलव्य आवासीय विद्यालय के बच्चों ने कलेक्टर की समझाइश पर धरना समाप्त कर दिया है।

बता दें कि मंगलवार की सुबह एकलव्य स्कूल के लगभग दो सौ बच्चे स्कूल के प्राचार्य व अधीक्षिका को हटाने की मांग लिखी तख्तियों को हाथों में लेकर नारेबाजी करते हुए स्कूल से निकले और वहां से लगभग पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित जनपद पंचायत कार्यालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीच में स्थित मुख्य मार्ग पर बैठ ग?ए। जिसके कारण मार्ग दोनों ओर से अवरूद्ध हो गया। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचे बीईओ मुन्नू सिंह धुर्वे ने बच्चों से बात कर उनकी समस्या को जानने का प्रयास किया पर बच्चों ने कहा कि कलेक्टर को यहां बुलाया जाए हम अपनी समस्या को उनके अलावा और किसी को नहीं बताएंगे। इस बीच बच्चे स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। स्थिति अनियंत्रित होती देख धरना स्थल पर एसडीएम दीपिका नेताम व तहसीलदार पुष्पराज पात्रे भी पहुंचे उन्होंने भी धरने पर बैठे बच्चों की समस्या को जानने का प्रयास किया पर बच्चे अपनी समस्या केवल कलेक्टर से ही मिलकर बताने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद बच्चों को मार्ग जाम न करें की समझाइश देते हुए जनपद पंचायत कार्यालय प्रतापपुर के परिसर में दरी बिछवाकर बैठा दिया गया। परिसर में भी बच्चे अपनी मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। आखिरकार बच्चों की जिद के आगे झुकते हुए स्थानीय प्रशासन ने कलेक्टर से फोन पर उनकी बात कराई। कलेक्टर को बच्चों ने

बताया कि स्कूल के प्राचार्य व अधीक्षिका द्वारा उन्हें अकारण ही परेशान किया जाता है जिस पर कलेक्टर ने बच्चों को मामले की पूरी गंभीरता से जांच कराने का आश्वासन देते हुए धरना समाप्त करने को कहा जिसके बाद बच्चे धरना समाप्त कर स्कूल की ओर लौट गए।

गलती पर प्राचार्य ने लगाई थी फटकार

इस संबंध में एकलव्य आवासीय विद्यालय के प्राचार्य भूपेश तिवारी ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि शासन के नियमानुसार जो बच्चे अपने घर से पैसा लेकर स्कूल आते हैं उस पैसे को स्कूल में बनाए गए एक मनी बैंक में जमा करा दिया जाता है जिसका बकायदे रिकार्ड भी रखा जाता है। उसी बैंक में से बच्चों को उनकी जरूरत के हिसाब से खर्च करने के लिए उनके पैसे को दिया जाता है। पर कुछ बच्चे जो पैसा अपने घर से लेकर आते हैं उसमें से कुछ पैसा बैंक में और कुछ पैसे को छुपाकर अपने पास रख लेते हैं। फिर जब स्कूल के पास में ही मौजूद खेल मैदान में खेलने जाते हैं तो उसी छुपाए हुए पैसे से नशा करने के लिए वहां आने वाले असामाजिक तत्वों से सिगरेट व गुटखा खरीद कर सेवन करते हैं। इस बात को लेकर वे बच्चों को नशे से होने वाले नुकसान के संबंध में जानकारी देते हुए कई बार नशा न करने की समझाइश दे चुके थे। जिसके बाद बच्चों ने नशा न करने की बात भी कही थी। पर इसके उपरांत 25 जनवरी को छेरता की छुट्टी के दिन प्राचार्य तिवारी ने फिर से कुछ बच्चों को स्कूल के शौचालय में सिगरेट पीते हुए रंगे हाथ पकड़ा तो उन्होंने बच्चों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्कूल से निलंबित करने की चेतावनी दी थी। प्राचार्य तिवारी ने बताया कि इसी बात को लेकर बच्चे उनके ऊपर प्रताड़ना का झूठा आरोप लगाते हुए धरने पर बैठे गए।

जांच करने स्कूल पहुंचे एसडीएम, तहसीलदार

इधर कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर एसडीएम दीपिका नेताम व तहसीलदार पुष्पराज पात्रे मामले की जांच करने एकलव्य आवासीय विद्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने एक एक कर सभी बच्चों के बयान दर्ज करने के साथ ही स्कूल के प्राचार्य व अधीक्षिका के बयान भी लिए हैं। फिलहाल प्रशासन ने प्राचार्य के स्कूल आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जांच के विषय में जानकारी मांगे जाने पर एसडीएम दीपिका नेताम ने कहा कि अभी मामले की जांच पूरी नहीं हो सकी है इसलिए इस विषय पर कुछ भी कहना उचित नहीं होगा।

कलेक्टर से मिलने जाएंगे बच्चे

इस विषय को लेकर बीईओ मुन्नू सिंह धुर्वे से मिली जानकारी अनुसार बच्चों का कहना था कि कुछ ऐसी बातें भी हैं जिन्हें वे कलेक्टर के समक्ष ही बताना पसंद करेंगे। बच्चों की इस बात से कलेक्टर को अवगत कराया गया जिस पर कलेक्टर ने बच्चों को मिलने के लिए बुलाया है। कलेक्टर से मिलने के लिए स्कूल के लगभग दस बच्चों का चयन किया गया है जो बाकी बच्चों का प्रतिनिधित्व करते हुए कलेक्टर से मिलकर स्कूल से संबंधित सभी समस्याओं को रखेंगे।

भोले-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर धर्म परिवर्तन कराने वाले पांच गिरफ्तार

- संवाददाता -
बलरामपुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 3 में भोले-भाले लोगों को अपने झांसे में लेकर तथा उन्हें गुमराह कर धर्म परिवर्तन कराने के मामले में पुलिस ने कल देर शाम पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन महिलाएं तथा दो पुरूष हैं। सभी पड़ोसी राज्य झारखंड के बताये जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर के वार्ड क्रमांक 3 में सुरेश मिंज नामक व्यक्ति के यहां रहकर इन लोगों द्वारा भोले-भाले लोगों विशेषकर आदिवासियों को अपने निशाने पर लेकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। मामले की सूचना कल सोमवार को हिन्दू संगठन के लोगों को मिली जिसके बाद शाम लगभग 7 बजे संगठन के पदाधिकारियों ने मौके पर धावा बोला। सुरेश मिंज के घर में एक कमरे के भीतर धर्म परिवर्तन का यह सारा खेल चल रहा था जहां से देश विरोधी तथा धर्म परिवर्तन किये जाने से संबंधित पुस्तकें भी प्राप्त हुयी हैं। इसके बाद हिन्दू संगठन के लोगों द्वारा पुलिस को मौके पर बुलाया गया, इस बीच मौका पाकर वहां उपस्थित अन्य दो पुरूष भाग निकले जबकि दो पुरूष तथा तीन महिलाओं

समेत कुल पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा इस मामले में विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आरोपियों पर कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में दो महिलाएं झारखंड की हैं, सभी से पूछताछ किया जा रहा है तथा इस मामले में संलिप्त अन्य लोगों की भी पतासाजी की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

चन्द्रेश सिंह ठाकुर,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर

जंगल से भटककर बस्ती में घुसे कोटरी को कुत्तों ने नोचकर मार डाला

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)। जंगल से भटककर मैनपाट के ग्राम बिसरपानी के चिखलापानी में घुसे एक कोटरी को कुत्तों ने घेरकर मार डाला। हालांकि ग्रामीणों द्वारा उसे बचाने की कोशिश की गई मगर कामयाबी नहीं मिली। बताया जा रहा है कि मंगलवार को की सुबह वन्य प्राणी कोटरी चिखलापानी बस्ती में घुस गया,जिससे कुत्तों ने घेरकर उस पर हमला कर दिया। कुत्तों के भोंके जाने की आवाज सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे और कुत्तों को भगाया। घायल कोटरी को पशु चिकित्सालय लेकर जा रहे थे मगर रास्ते में कोटरी की मौत हो गई। वन विभाग द्वारा कोटरी के शव को जब्त करने के बाद पंचनामा पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। कुछ दिनों पूर्व भी मैनपाट के तिब्बती कैंप में एक कोटरी घुस गया था, जिसे बौद्ध भिक्षुओं ने कुत्तों के हमले से बचाया था। मैनपाट में इस तरह की आए दिन घटनाएं हो रही हैं।

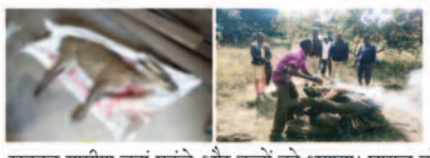

आर्थिक तंगी से जुझ रहा नगर निगम, पार्षदों को पिछले आठ माह नहीं मिला है मानदेय,कर्मचारियों के भी हाथ खाली...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

आर्थिक तंगी की मार झेल रहा अम्बिकापुर नगर निगम अपने पार्षदों को पिछले आठ माह से मानदेय देने में जहां एक ओर नाकाम है तो दूसरी ओर निगम के कर्मचारियों को भी दो महीने से वेतन नहीं मिला है। निगम के खस्ताहाल स्थिति के कारण अब निर्माण कार्य से लेकर सफाई कार्यों पर भी इसका असर दिखाई देना भी शुरू हो गया है। जानकारों की माने तो समय रहते अगर निगम की आर्थिक स्थिति नहीं सुधरी तो आने वाले समय में काफी गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। दरअसल छत्तीसगढ़ प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा नगर निगम अम्बिकापुर है जिसकी बजट सालाना लगभग 150 करोड़ के आस पास है। वहीं लगभग ढ़ाई लाख आबादी वाले इस निगम के अंतर्गत वर्तमान में 48 वार्ड आते हैं। हालांकि अम्बिकापुर नगर निगम मैनपावर से लेकर अत्याधुनिक मशीनरी से परिपूर्ण है। लेकिन प्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल से ही राजनीतिक उठा-पटक के कारण अम्बिकापुर नगर निगम के साथ सौतेला व्यवहार किया गया जिसका खामियाजा विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। लेकिन प्रदेश में सरकार बदलने के बाद भी अम्बिकापुर नगर निगम की स्थिति में कोई सुधार नहीं हो सका है बल्कि अब स्थिति ओर खराब होने लगी है। हालांकि भाजपा के पार्षद इसके लिए पिछली सरकार के कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराते हैं। अम्बिकापुर नगर निगम के महापौर डॉ. अजय तिर्की का कहना है कि अम्बिकापुर निगम क्षेत्र में कोई भी बड़ा व्यावसायिक प्रतिष्ठान नहीं जिसके कारण क्लेकस सीमित है जबकि सब एस्टेब्लिशमेंट खर्च ज्यादा है।

राज्य सरकार को मांग अनुसार पत्र भेजा गया है सरकार बनने के बाद अब जब कामकाज होना शुरू गया जल्द ही सभी व्यवस्था ठीक होने की उम्मीद है। वहीं निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरिकेश कुशवाहा का कहना है कि अम्बिकापुर नगर निगम में एक हजार से ज्यादा कर्मचारी हैं जिनको समय पर वेतन नहीं मिलता है। वर्तमान में दिसंबर का वेतन बकाया है वहीं जनवरी माह भी अब समाप्त होने वाली है.उनका कहना यह भी है कि राज्य सरकार की तरफ से कोई भी सहयोग नहीं मिलना भी इसका प्रमुख कारण है. कांग्रेसी पार्षद दीपक मिश्रा की माने तो हाल में प्रदेश के नगर निकाय मंत्री अरुण साव ने प्रदेश भर के निगम कमिश्नरों की बैठक बुलाई थी जिसमें अम्बिकापुर के भी कमिश्नर गये थे लेकिन सभी खाली हाथ लौटे हैं।

जनदर्शन में पेट्रोल लेकर पहुंची महिला,तहसीलदार ने किया जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन मंगलवार को किया गया था। जनदर्शन के शहर व ग्रामीण इलाके से काफी संख्या में लोग फरियाद लेकर पहुंचे थे। वहीं लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तराजू निवासी महिला मुन्नी दास अपनी 4-5 साल की बेटी के साथ जमीन संबंध शिकायत लेकर पहुंची थी। वह प्लास्टिक के अंदर प्लास्टिक की बॉटल में पेट्रोल रखी थी। जब इसकी जानकारी वहीं पर उपस्थित मीडियाकर्मियों को चला तो पूछने पर वह बताई कि मैं काफी दिनों से अपनी समस्या लेकर जनदर्शन में आ रही हूं। पर मेरी समस्या का निराकरण नहीं हो रहा है। इससे में परेशान हो गई हूं। आज मेरे समस्या का निराकरण नहीं होता है तो मैं अपनी बेटी को लावारिश छोडक़र अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह कर लूंगी। यह बात सूनकर वहां पर मौजूद लोग चौंक गए। किसी ने मामले की जानकारी जनदेर्शन कार्यक्रम में जाकन तहसीलदार को दी। तससीलदार तत्काल बाहर निकले और महिला के पास रखे पेट्रोल को जब्त किया और महिला की समस्या को समझा और आश्वासन दिया गया कि मामले की शिकायत कलेक्टर के समक्ष करें। निराकरण किया जाएगा।

लोकसभा में रिकार्ड मतों से जीतकर बनाना है इतिहास : अजय जामवाल

» भाजपा की लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

भाजपा के प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में लोकसभा चुनाव को लेकर लोकसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरगुजा लोकसभा अंतर्गत आने वाले तीनों जिलों सरगुजा,सूरजपुर तथा बलरामपुर के प्रमुख भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि 2023 की लड़ाई जीतने के बाद अब 2024 का किला फतेह करने की जवाबदारी सभी भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के ऊपर है। लोकसभा की 11 में 11

सीटें जीतकर इतिहास बनाने का लक्ष्य हमने तय किया है उसमें सरगुजा लोकसभा सीट सबसे ऊपर है। आगे उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में सरगुजा संभाग ने जो शानदार परिणाम दिया है उसकी तारीफ पूरे प्रदेश में हुई है। अब लोकसभा की बारी है सबसे अधिक वोट से जीतने का रिकॉर्ड सरगुजा को बनाना है। इस अवसर पर भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव की दृष्टि से संगठन ने घर-घर चलो अभियान, लाभार्थी सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रम तय किए हैं जिसे सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को मिलकर अच्छी तरह सम्पन्न करना है। इस दौरान केबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, लोकसभा क्लस्टर प्रभारी विधायक बिलासपुर अमर अग्रवाल, सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव, लोकसभा चुनाव प्रभारी पूर्व सांसद लखन साहू, सह प्रभारी चम्पा देवी पावले, तथा लोकसभा संयोजक कमलभान सिंह के विशिष्ट आतिथ्य तथा भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, लोकसभा सह संयोजक अखिलेश सोनी, जिला प्रभारी ज्योतिनंद दुबे, संभाग सह प्रभारी राजा पांडे, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रेमनगर विधायक भुलन सिंह मरावी, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, सूरजपुर बीजेपी जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, बलरामपुर बीजेपी जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, विजयनाथ सिंह, अनिल सिंह मेजर, भारत सिंह सिसोदिया, अजय गोयल, अभिमन्यु गुप्ता,उपेन्द्र यादव, अरुणा सिंह, फुलेश्वरी सिंह, विश्वविजय तोमर, राजेन्द्र जायसवाल, नकुल सोनकर सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे।

आने वाले समय में अंबिकापुर बनेगा चिकित्सा का हब

एक सप्ताह में सरगुजा संभाग को मिलेंगे 100 डॉक्टर

15 दिन पहले अस्पताल में बताई कमी किस हद तक पूरी हुई देखने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री..

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

15 दिन पहले मेडिकल कॉलेज अस्पताल के निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियां की हद तक पूरी हुई उसे देखने के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मंगलवार को एक बार फिर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। मातृ और शिशु अस्पताल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्था को लेकर संतुष्टि जताई। निरीक्षण के बाद उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के प्रति जनता का विश्वास बना रहे और यहां के स्टाफ, डॉक्टर, सफाई कर्मचारी का आत्मविश्वास बढे इस कारण उनके द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। पहले दौरे के समय मेडिकल कॉलेज अस्पताल बिल्डिंग के लिए 119 करोड़ की मांग की गई थी, उसे इस अनुपूरक में लाकर 15 दिन बाद उसे पर काम चालू हो जाएगा।साथ ही एमआरआई मशीन की मांग की गई थी, जिसकी अनुमति दे दी गई है। निश्चित रूप से आने वाले समय में अंबिकापुर को चिकित्सा के हब के रूप में बनाने की हमारी मंसा है। उन्होंने कहा कि यहां के अस्पताल को 10 डॉक्टर और पूरे सरगुजा संभाग को 100 डॉक्टर एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। जहां तक विशेषज्ञ डॉक्टर का सवाल है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की हमारे पास काफी कमी है ।इस दिशा में हमारे द्वारा सभी जिला कलेक्टर को फ्री हैंड कर दिया गया हैज या तो जिला प्रशासन

या स्वास्थ्य विभाग की मदद से हम विशेषज्ञ डॉक्टर को हायर करेंगे।

अस्पताल में पेयजल की समस्या को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टर व मेडिकल कॉलेज डीन को उन्होंने कह दिया है कि जहां भी वाटर कूलर की आवश्यकता हो 15 दिन के भीतर लगा दिया जाएं। इसके साथ ही अस्पताल को दो एंबुलेंस प्रदान करने की बाद भी उन्होंने कही।

शिविर लगाकर बसों की फिटनेस के साथ चालकों,परिचालकों की नेत्र की गई जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जिले में सडक़ सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत मंगलवार को शहर के पीजी कॉलेज ग्राउंड में शिविर लगाकर बस चालकों, परिचालकों का नेत्र जांच किया गया। इसके साथ ही आरडीओ द्वारा वाहनों की फिटनेस जांच भी की गई। शिविर के दौरान जिले भर में शिक्षण संस्थाओं में उपयोग हो रहे लगभग 45 बस चालक, परिचालक बस सहित उपस्थिति हुए। संयुक्त टीम द्वारा बसों की बारीकी से जांच कर वाहनों की फिटनेस, सीसीटीवी कैमरा, इमरजेंसी गेट, लाइट, इंडिकेटर, वाइपर, फर्स्ट ऐड बॉक्स सहित अग्निशमन यंत्र की जांच की गई। स्कूल बसों में पाई गई खामियों कों तत्काल दुरूस्त कर बस का संचालन करने के निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की सहायता से नेत्र जांच भी की गई। जिसमें चालकों, परिचालकों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। यातायात पुलिस टीम द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था के सुचारु संचालन हेतु बस स्टोपेज़ में बस खड़ी कर बच्चों कों उतारने एवं रोड क्रॉस कराने हेतु परिचालक कों समझाइश दी गई। रैश ड्राइविंग की सूचना हेतु संस्था प्रभारी का मोबाइल नंबर बस में बड़े अक्षरों में अंकित करने के निर्देश दिए गए। यातायात पुलिस टीम द्वारा यातायात संकेतकों की जानकारी देकर शिविर का समापन किया गया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. हिमानी जायसवाल, आरटीओ निरीक्षक अम्बिकापुर पवन साहू , यातायात प्रभारी उप निरीक्षक विजय कुमार केवर्त, नेत्र सहायक डॉ. मीना सिंह, प्रधान आरक्षक जितेंद्र यादव, फार्मासिस्ट हिमालय पैकरा, आरक्षक सुनील कुमार, शिवप्रताप सिंह, विनय आयाम, लालमान सिंह, तुलेश कुजूर, लालबाबू सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिलीप एक्का शामिल रहे।

CMYK

भारत से मांगें माफी,वरना...

जम्हूरी पार्टी के नेता गसुइम इब्राहिम की राष्ट्रपति मुइज्जू को दो टूक

माले,30 जनवरी 2024। बीते कुछ दिनों पहले पीएम मोदी ने लक्षद्वीप से जुड़ी खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थी। जिसमें उन्होंने लोगों को लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने की अपील की थी। लेकिन यह आह्वान पड़ोसी द्वीप राष्ट्र मालदीव को रास नहीं आया था। इस दौरान मालदीव के मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी की थी। हालांकि बाद में मालदीव के मंत्रियों ने अपनी टिप्पणियां को हटा कर दिया था। इसी बीच, लगातार बयानबाजी पर मंगलवार को मालदीव स्थित जम्हूरी पार्टी के नेता ने गसुइम इब्राहिम ने राष्ट्रपति

मोहम्मद मुइज्जू से भारत और पीएम मोदी से माफी मांगने की अपील की है। साथ ही कहा कि वह दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने पर जोर दें।

राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत को धमकाने वाला देश कहा था

गौरतलब है कि भारत और मालदीव के संबंधों में खटास के बाद चीन समर्थित राष्ट्रपति मुइज्जू लगातार भारत का नाम लिए बिना टिप्पणियां कर रहे हैं। पांच दिवसीय चीन की यात्रा से लौंटने के बाद राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत को परोक्ष रूप से धमकाने वाला देश बताया था। खास बात है कि यह मांग मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के एक दिन बाद आई है। सोमवार को कहा था कि वह राष्ट्रपति मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव करने की योजना बना रही है। बात दें मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराया था।

गासुइम ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को भी घेरा

गसुइम ने उन कथित टिप्पणियों के लिए पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को जिम्मेदार ठहराया है। जिन्होंने मालदीव और भारत के लिए दरार पैदा की है। उन्होंने इंडिया आउट अभियान की शुरूआत की थी। उस दौरान इब्राइहिम सोलिह मालदीव के राष्ट्रपति थे। चीन से लौटने के बाद मुइज्जू ने चिकित्सा सेवाओं और दवाओं समेत कई क्षेत्रों में भारत पर निर्भरता कम करने का भी सुझाव दिया था। गसुइम ने कहा कि मुइज्जू ने भारत से सामान्य दवाओं के आयात को खत्म करने और दवा के लिए यूरोप,अमेरिका या मूल देशों से विकल्प तलाशने का प्रस्ताव रखा है। वहीं उन्होंने कहा कि यदि भारत से माफी नहीं मांगी गई तो मालदीव पर इसका खासा असर पड़ सकता है।

ब्रिटेन से कोकीन निर्यात के मामले में भारतीय मूल की दंपती दोषी करार,601 करोड़ के ड्रग्स पकड़े

लंदन,30जनवरी 2024। ब्रिटेन में एक भारतीय मूल के दंपती पर आधा टन कोकीन ऑस्ट्रेलिया पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दंपति की पहचान 59 वर्षीय आरती धीर और 35 वर्षीय कवलजीत सिंह रायजादा के तौर पर की गई है। मई 2021 में सिडनी एयरपोर्ट पर ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने उनके पास से 57 मिलियन पाउंड करीब 601 करोड़ की कोकीन बरामद की थी।

कोकीन निर्यात करने और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दोषी

हालांकि,दंपती ने ऑस्ट्रेलिया में कोकीन की तस्करी करने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से इनकार कर दिया है। सोमवार को साउथवार्क क्राउन कोर्ट के जूरी ने तस्करी के 12 मामले और मनी लॉन्ड्रिंग के 18 मामलों में उन्हें दोषी ठहराया है। दोनों को मंगलवार को इसी अदालत में सजा सुनाई जाएगी।

ड्रग्स को वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए ब्रिटेन से ले जाया गया था, इसमें छह धातु टूलबॉक्स भी शामिल थे। इसे जब खोला गया, तब उसमें से 514 किलो कोकीन मिला। ऑस्ट्रेलिया में बेचे जाने पर इसकी कीमत 601 करोड़ से भी अधिक होती। ब्रिटेन में एक किलो कोकीन की कीमत 26,000 पाउंड है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में इसकी कीमत 110,000 पाउंड है।

जांच के दौरान पाया गया कि दंपति ने वीफ्राई फ्रेट सर्विसेस नाम से एक फर्जी कंपनी बनाई थी, जिसका उद्देश्य नशीली दवाओं की तस्करी करना था। दंपति के आवास पर तलाशी के दौरान टूलबॉक्स मिला, जिसकी कीमत 2855 पाउंड थी। इस टूलबॉक्स में कवलजीत सिंह रायजादा के उंगलियों के निशान भी मिले।

हत्या के मामले में भारतीय मूल का युवक गिरफ्तार

कनाडा के ब्राम्पटन शहर में भारतीय मूल के एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर एक अन्य भारतीय मूल के युवक की हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने वीडियो फुटेज की जांच की थी। जिसके बाद से वह आरोपियों की तलाश कर रही थी।

पुलिस के मुताबिक, घटना पिछले साल 19 दिसंबर को हुई थी। ओंटारियो प्रांत के ब्राम्पटन शहर में 18 वर्षीय निशान थिंड को गोली मार दी गई थी। जिसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उसकी मौत हो गई थी। निशान की मौत के बाद पुलिस के जासूसों ने 18 वर्षीय प्रीतपाल को गिरफ्तार किया।

बढ़ते आर्थिक संकट के बीच नए करेंसी नोट जारी करेगा पाकिस्तान, इस वजह से है परेशान

इस्लामाबाद,30 जनवरी 2024। अपनी मुद्रा की गिरती कीमत और खराब सरकारी नीतियों के चलते पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान अब नए करेंसी नोट जारी करेगा। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने

एलान किया है कि वह जल्द ही नए नोट जारी करेगा, जिनमें सुरक्षा के फीचर्स पहले से काफी बेहतर होंगे।

बताया गया है कि पाकिस्तान इस वक्त नकदी संकट से जूझ रहा है। इसकी एक बड़ी वजह नकली नोट हैं, जिनका धड़ल्ले से उपयोग अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। पाकिस्तान के स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद ने कहा कि नए नोटों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा फीचर्स होंगे। साथ ही इनके डिजाइन में भी बदलाव कर इन्हें आधुनिक बनाया जाएगा।

गवर्नर ने कहा कि यह सारे बदलाव धीरे-धीरे किए जाएंगे ताकि पाकिस्तान की जनता को कोई समस्या न आए। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में नोट बदलने के दौरान परेशानी देखी गई है।

अंटार्कटिका में बढ़ा बर्ड फ्लू वायरस का खतरा, पेंग्विन की मौत पर वैज्ञानिक हुए अलर्ट

नई दिल्ली, 30 जनवरी 2024। अंटार्कटिका क्षेत्र में स्थित साउथ जॉर्जिया द्वीप में एक किंग पेंग्विन की मौत हुई है। ऐसी आशंका है कि पेंग्विन की मौत बर्ड फ्लू वायरस से हुए संक्रमण से हुई है। अगर वायरस से मौत की पुष्टि होती है तो यह पहली बार होगा, जब किंग प्रजाति की पेंग्विन की बर्ड फ्लू से मौत हुई है। अंटार्कटिका के रिमोट इलाके में पेंग्विन की एच5एन1 (बर्ड फ्लू) वायरस से मौत की आशंका से वैज्ञानिकों ने गहरी चिंता जताई है।

पारिस्थितिकीय आपदा आने का खतरा

वैज्ञानिकों को डर है कि अभी पेंग्विंस का ब्रीडिंग का सीजन है। ऐसे में अगर पेंग्विन में बर्ड फ्लू फैला तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं और यह आधुनिक समय की सबसे बड़ी पारिस्थितिकीय आपदा भी बन सकती है। अंटार्कटिका दुनिया का एकमात्र ऐसा क्षेत्र था, जहां अब से पहले बर्ड फ्लू का एच5एन1 वायरस नहीं पाया गया था और किंग पेंग्विन में भी इससे पहले कभी बर्ड फ्लू वायरस का संक्रमण नहीं देखा गया था। यही वजह है कि किंग पेंग्विन की बर्ड फ्लू से मौत की आशंका से वैज्ञानिक चिंतित हैं।

पेंग्विंस में तेजी से फैल रहा बर्ड फ्लू संक्रमण

जिस पेंग्विन की संभावित बर्ड फ्लू वायरस से मौत हुई है, वह किंग प्रजाति की है, जो कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रजाति है पेंग्विंस की। 3 फीट लंबी ये पेंग्विन 20 साल से ज्यादा समय तक जीवित रह सकती हैं। किंग पेंग्विन से पहले जेनटु प्रजाति की पेंग्विन की बर्ड फ्लू वायरस से मौत हो चुकी है। पूर्व में दक्षिण अफ्रीका, चिली और अर्जेंटीना में पांच लाख से ज्यादा समुद्री पक्षी, जिनमें पेंग्विंस भी शामिल हैं, उनकी बर्ड फ्लू से मौत हो चुकी है। साफ है कि पेंग्विंस में बर्ड फ्लू का संक्रमण होने का खतरा ज्यादा है।

किंग प्रजाति की पेंग्विन में बर्ड फ्लू संक्रमण फैलने का खतरा इतना बड़ा है कि इस शताब्दी के अंत तक किंग पेंग्विन के धरती से विलुप्त होने का खतरा है और अगर बर्ड फ्लू फैला तो यह खतरा बहुत बढ़ सकता है। इससे पहले अंटार्कटिका में एक पोलर भालू की भी बर्ड फ्लू एक एच5एन1 संक्रमण से मौत हो चुकी है।

अमेरिकी सांसद बोले- चीन से पैदा खतरा भारत-अमेरिका संबंधों के लिए अवसर, एफटीए सहित मजबूत समझौतों की जरूरत

वॉशिंगटन, 30 जनवरी 2024। चीन से पैदा खतरा भारत और अमेरिका के लिए अवसर है कि वे एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सहित मजबूत समझौते करें और दोनों देश एक-दूसरे पहले साझेदार के रूप में देखें। यह बात एक अमेरिकी सांसद डेरेल इस्सा ने कही। वह थिंक टैंक हडसन इंस्टीट्यूट में भारत और दक्षिण की रिसर्च फेलो अपर्णा पांडे के साथ बातचीत कर रहे थे।

कैलिफोर्निया से रिपब्लिकन सांसद इस्सा ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध आज चीन के खतरे पर आधारित नहीं लगते हैं। उन्होंने कहा, मैं चीन के खतरे को एक अवसर के रूप में देखता हूं। ईसा ने आगे कहा कि जिन वस्तुओं का उत्पादन चीन में किया जाता है, उसी लागत पर भारत में भी वस्तुओं का उत्पादन किया जा सकता है।

इस्सा ने आगे कहा, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि दोनों देश हकीकत में मजबूत समझौते करें। जिसमें, मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भी शामिल हो। ताकि, भारत और अमेरिका एक-दूसरे को पहले साझेदार के तौर पर देखें। मुझे लगता है कि हम यह करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय कर चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के टैक्स रिकॉर्ड किए थे लीक,अदालत ने दोषी को सुनाई पांच साल जेल की सजा

वॉशिंगटन,30 जनवरी 2024। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समेत कई लोगों के टैक्स रिकॉर्ड चोरी करने और उन्हें लीक करने के मामले में अमेरिका की अदालत ने एक शख्स को दोषी माना है। अदालत ने दोषी को पांच साल जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने 38 साल के चार्ल्स लिटिलजॉन को डोनाल्ड ट्रंप समेत अमेरिका के हजारों अरबपतियों के आयकर रिटर्न्स अवैध तरीके से सार्वजनिक करने का दोषी पाया गया है।

इन मामलों में दोषी ठहराया गया युवक

दोषी युवक एक कंसल्टिंग फर्म के साथ काम करता था। वह फर्म अमेरिका के आंतरिक राजस्व सेवा के साथ मिलकर काम करती है। इसी फर्म के काम के दौरान दोषी लिटिलजॉन ने ट्रंप समेत हजारों अमीर लोगों के टैक्स

रिकॉर्ड्स चोरी किए और उन्हें अपनी निजी वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया था। हालांकि बाद में उसने इन रिकॉर्ड्स को वेबसाइट से हटा लिया था। लिटिलजॉन पर आरोप है कि उसने टैक्स रिकॉर्ड्स चुराए और सिस्टम की खामियों का फायदा उठाया।

साल 2020 में द न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में दावा किया गया था कि साल 2016 में डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ 750 डॉलर के आयकर का भुगतान किया था। माना जाता है कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने इन्हीं लीक दस्तावेजों के आधार पर यह लेख लिखा था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ये भी कहा था कि पिछले 15 सालों में से 10 सालों में ट्रंप ने बिल्कुल भी आयकर नहीं चुकाया था।

अदालत ने जताई गहरी नाराजगी

सजा का एलान करते हुए जज एना रेयस ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और उन्होंने इसे अमेरिका और इसके कानूनी आधार पर हमला करार दिया। जज ने दोषी को संबोधित करते हुए तुमने तत्कालीन राष्ट्रपति पर हमला किया, जो कि हमारे संवैधानिक लोकतंत्र पर हमला है। जज ने इसे अमेरिका के राजस्व इतिहास की सबसे बड़ी लूट में एक करार दिया। जज ने इस अपराध की तुलना 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में हुई हिंसा से की।

इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी को 10 साल जेल की सजा,गोपनीय सूचना लीक करने के दोषी

इस्लामाबाद, 30 जनवरी 2024। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीय सूचना लीक करने के मामले 10-10 साल जेल की सजा सुनाई गई है। दोनों को ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत गठित की गई विशेष अदालत ने गोपनीय सूचना लीक करने का दोषी पाया। इमरान खान (71 वर्षीय) और शाह महमूद कुरैशी (67 वर्षीय) रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। जेल से ही इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी अदालत की सुनवाई में वर्चुअली शामिल हुए।

पीटीआई फैसले को देगी चुनौती

इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। पीटीआई ने बयान जारी कर कहा है कि उनकी कानूनी टीम इस फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देगी। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस मामले की सुनवाई के दौरान मीडिया या आम जनता को शामिल नहीं होने दिया गया और जल्दबाजी में फैसला सुनाया गया है। पीटीआई ने कहा कि मार्च-अप्रैल 2022 को जो हुआ, उसे कोई भी अदालती सुनवाई नहीं बदल सकती। इस मामले में कानून का मजाक उड़ाया गया है। पार्टी ने लोगों से 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में हकीकी आजादी के लिए वोट करने की अपील की।

अमेरिका में एक और भारतीय छात्र की गई जान, यूनिवर्सिटी से हुआ था गायब,अब मौत की पुष्टि

वॉशिंगटन, 30 जनवरी 2024। अमेरिका में बीते दो दिन के अंदर दो भारतीय छात्रों की हत्या की खबर सामने आई है। हाल ही में अटलांटा में एक दुकान में भारतीय छात्र विवेक सैनी की एक नशेड़ी ने हथौड़े से मार-मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद अब शिकागो की पर्ड्यू यूनिवर्सिटी के एक छात्र की भी हत्या का मामला सामने आ रहा है। पुलिस ने यूनिवर्सिटी के कैंपस से रविवार को लापता हुए छात्र नील आचार्य की मौत की पुष्टि की है।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार सुबह 11.30 बजे के करीब यह जानकारी मिली कि पश्चिमी लफायेट के 500 एलिसन रोड पर एक शव बरामद किया गया है। जांच करने पर यह एक कॉलेज जाने वाले छात्र का शव पाया गया। मृतक की पहचान भारतीय मूल के छात्र नील आचार्य के तौर पर की गई है। नील की मौत का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इससे पहले रविवार को नील की मां गौरी आचार्य ने एक्स पर पोस्ट कर लोगों से अपने बेटे को ढूंढने की अपील की थी। उन्होंने कहा था- हमारा बेटा नील आचार्य 28 जनवरी से लापता है। वह अमेरिका की पर्ड्यू यूनिवर्सिटी का छात्र है। उसे आखिरी बार एक उबर कैब के ड्राइवर ने पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में छोड़ा था। हम उसकी जानकारी चाहते हैं। अगर आपको कुछ पता हो तो हमारी मदद करें।

उनके इस पोस्ट के बाद शिकागो में महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि वे पर्ड्यू यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के साथ जुड़े हैं और मामले पर नील के परिवार से भी बात कर रहे हैं। दूतावास ने हर तरह की मदद की बात भी कही।

पर्ड्यू एक्सपोनेंट नाम की एक मल्टीमीडिया एजेंसी के मुताबिक, पर्ड्यू यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के प्रमुख क्रिस क्लिफटन ने सोमवार को विभाग और फैकल्टी को एक ईमेल में नील आचार्य की मौत की पुष्टि की। क्लिफ्टन ने कहा कि नील काफी प्रतिभाशाली छात्र था। उसने कंप्यूटर साइंस और डेटा साइंस में डिग्री हासिल की थी और वह जॉन मार्टिंसन ऑनर्स कॉलेज में पढ़ता था।

अमेरिका के लिथोनिया में भी हुई भारतीय युवक की मौत

इससे पहले अमेरिका के लिथोनिया शहर के जॉर्जिया में एक बेघर नशेड़ी ने एक 25 वर्षीय भारतीय छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी। दरअसल, छात्र पिछले कुछ दिनों से उस बेघर नशेड़ी की मदद कर रहा था। हत्या की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने इस घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अटलांटा में हुई इस घटना पर भारत ने शोक जताते हुए इसे डरावना बताया और इसकी निंदा की।

हमें लोकसभा चुनाव 2 लाख से ज्यादा मतों से जीतना है : अमर अग्रवाल

» भाजपा का सरगुजा लोकसभा चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी का सरगुजा लोकसभा स्तरीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन आज एम जी रोड अंबिकापुर स्थित आदित्यम टावर में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के मुख्य आतिथ्य एवं केबिनेट मंत्री छ.ग. शासन श्याम बिहारी जायसवाल, लोकसभा क्लस्टर प्रभारी विधायक बिलासपुर अमर अग्रवाल, सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव, लोकसभा चुनाव प्रभारी पूर्व सांसद लखन साहू, सह प्रभारी श्रीमती चम्पा देवी पावले, तथा लोकसभा संयोजक कमलभान सिंह के विशिष्ट आतिथ्य तथा भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष ललन

प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते उन्हें बधाई देते हुए लोकसभा क्लस्टर प्रभारी बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि आज से लोकसभा चुनाव का काम शुरू हो गया है, आपको सरगुजा संभाग की 14 सीटों पर जीत की ढेरों बधाई।

परंतु जीत की खुशी के साथ चुनौती भी है और वो ये है कि हमें सरगुजा लोकसभा सीट 2 लाख से ज्यादा मतों से जीतना है। जनसंघ के समय अंबिकापुर में हमारे तीन चार विधायक थे और तब से अंबिकापुर का नाम है इसलिए आपके लिए एतिहासिक मतों से जीतना बड़ी बात नहीं बस पूरी एकजुटता व ताकत के साथ चुनाव में भिडने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन लोकसभा सह संयोजक अखिलेश सोनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन सूरजपुर भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पर जिला प्रभारी ज्योतिनंद दुबे, संभाग सह प्रभारी राजा पांडे, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रेमनगर विधायक भुलन सिंह मरावी, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, सूरजपुर बीजेपी जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, बलरामपुर बीजेपी जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, विजयनाथ सिंह, अनिल सिंह मेजर, भारत सिंह सिसोदिया, चिंतामणी महाराज, अभिमन्यु गुप्ता, अनूप सिन्हा, शिवनाथ यादव, उपेन्द्र यादव, मधुसूदन शुक्ला सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्वेलर्स दुकान में चोरी

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत डुमरिया में स्थित ज्वेलर्स दुकान चोरी का एक मामला सामने आया है। सूरजपुर थाना के ग्राम पंचायत डुमरिया में चोरों ने एक ज्वेलरी दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस घटना में चोरों ने करीब सत्तर हजार रुपये नगद व सोने-चांदी के आभूषण एक लाख 79456 हजार रुपये नकद चुरा लिये। ग्राम पंचायत डुमरिया स्थित अलंकार ज्वेलरी में बीती रात चोर दरवाजे के रास्ते घुस गये और लाखों रुपये मूल्य के आभूषण की व नगद चोरी कर ली। बता दें कि दुकानदार सोमवार रात दुकान बंद कर घर चला गया। इसके बाद चोरों ने देर रात इस घटना को अंजाम दिया। कोतवाली पुलिस सूरजपुर में एफआईआर दर्ज कर मामले चोरों की पतासाजी करने में लगी हुई है

एक तरफ जिला प्रशासन आमंत्रण दे बुलता है वही एक प्रशासनिक अधिकारी बाहर जाओ कहता है...

क्या प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पत्रकार अपमानजनक कोई चरित्र है या फिर पत्रकार खुद है अपमान का पात्र ?

कांग्रेस सरकार में तत्कालीन तहसीलदार ने कांग्रेसियों का किया था अपमान,भाजपा सरकार में एसडीएम ने पत्रकारों का किया अपमान

जब पत्रकारों से मुख्य अतिथियों को खतरा है तो फिर कार्यक्रम में बुलाया ही क्यों जाता है ?

क्या पुराने अधिकारी ही है फिर सत्ता के सहयोगी...जिन्हें नया प्रोटोकॉल मिला होगा ?

क्या पत्रकारों की अहमियत और इज्जत बहुत जल्द खत्म हो जाएगी ?

पत्रकारों का एक समुह इस घटना पर किया विरोध दर्ज और कर्यक्रम से चले आए...पर इस विरोध का हिस्सा व्यापारी पत्रकार नहीं बाने ?

क्या पत्रकार जिला प्रशासन की खबरों का बहिष्कार कर पाएगे...या जिले के मठाधीश पत्रकार इसे भी समझौता में तब्दील कर जाएगे ?

यह विषय विधायक एवं कलेक्टर साहब तक भी पहुची पर उन्होंने इस मामले में संज्ञान क्या लिया पता नहीं है,देखना होगा अगला कदम क्या होगा ?

क्या व्यापारी पत्रकारों के कारण भी उत्पन्न हो रही पत्रकारों के अपमान की स्थिति ?

आज पत्रकारों में कुछ हैं जो निष्पक्ष हैं और निष्पक्ष होकर वह अपना प्रकाशन करते हैं वहीं कुछ व्यापारी किस्म में पत्रकार हैं जिनका उद्देश्य सत्य का प्रकाशन करना न होकर अपना लाभ होता है, ऐसे व्यापारी किस्म के पत्रकार ही निस्पक्ष पत्रकारों के लिए खतरा हैं, यह पहले तो नेताओं के करीबी बन जाते हैं वहीं जब कोई आयोजन होता है यह नेताओं के साथ ही मंचस्थ हो जाते हैं,नेताओं के साथ मंच पर बैठकर यह फिर अन्य पत्रकारों को भूल जाते हैं और फिर अन्य के साथ अपमान की कोई बात समाने आती भी है तो यह मौके पर मौन हो जाते हैं अनभिज्ञ हो जाते हैं,वहीं जब पत्रकार समूह कोई विरोध खड़ा करता है यह मध्यस्थ हो जाते हैं और फिर एक मध्यस्थ बनकर यह मामले को दबाने में लग जाते हैं। कुल मिलाकर यह केवल मध्यस्थ हैं और पत्रकार होना इनका लाभ का विषय है।

क्या पद पाकर प्रशासनिक अधिकारी घमंड में चूर हैं ?

प्रशासनिक अधिकारी क्या पद पाकर घमंड में चूर हैं,क्या उन्हे उनका पद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को अपमानित करने का अधिकार देता है। सवाल कई हैं जिनका जवाब प्रशासन को देना होगा। प्रशासन को राष्ट्रीय पर्वो के दिन पत्रकारों के लिए भी एक निर्देश अब जारी करना चाहिए की उनकी क्या प्राथमिकताएं हैं पत्रकारों को लेकर। आज स्थिति यह है की प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय पर्वो के दिन भी पत्रकारों का अपमान किया जा रहा है। अब यह क्या बनी रहने वाली परंपरा बनी रह जाएगी या फिर इसको लेकर प्रशासन सुधार लाने का प्रयास करेगा यह देखने वाली बात होगी।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय महापर्व के अवसर पर कोरिया जिले में अपमान करना परंपरा सी बन गई है पिछली कांग्रेस सरकार में राष्ट्रीय पर्व के दिवस एक तहसीलदार द्वारा कांग्रेसियों का ही अपमान किया गया था उन्हें कुर्सी से उठा दिया गया था,कुछ ऐसा ही सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा सरकार में भी देखने को मिला जब पहले ही राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर गणतंत्र दिवस के दिन निमंत्रण देकर बुलाए पत्रकारों को कवरेज करने से रोका गया और उन्हें ग्राउंड से बाहर जाने को कहा गया, गणतंत्र दिवस समारोह कार्यक्रम में शामिल पत्रकारो को कवरेज करने के लिए रोक लगाई गई वहीं बैकुंठपुर एसडीएम ने कहा ग्राउंड से बाहर जाए। क्या पत्रकारों को कवरेज करके फोटो विडियो देंगी एसडीएम या फिर पत्रकारों को कार्यक्रम का लुत्फ उठाने के लिए आमंत्रित किया गया था? अंकिता सोम ने कहा पत्रकार निकल जाए ग्राउंड से बाहर,सूत्रों का कहना है की सुरक्षा की दृष्टि से पत्रकारों को रोका गया था पर यदि पत्रकारों से इतना ही असुरक्षित है कार्यक्रम तो पत्रकारों को ऐसे कार्यक्रमों में बुलाया ही क्यों जाता है? जब पत्रकारों के आने से अतिथियों को खतरा है तो ऐसे कार्यक्रमों में पत्रकारों को आमंत्रण नहीं देना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों का इस समय तेवर सातवें आसमान पर है अपमान सम्मान तो इस समय जूते की नोक पर रखे हुए हैं,सम्मान से ज्यादा अपमान की घटनाएं खूब देखने को मिल रही हैं,क्या अपमान करना प्रशासनिक अधिकारियों के परंपरा में शुमार हो चुका है? पत्रकारों को कवरेज करने से रोकने को लेकर एसडीएम बैकुंठपुर की किरकिरी हो रही है वहीं प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। जिसे लेकर पत्रकारों में आक्रोश तो दिख रहा है पर जिन पत्रकारों में आक्रोश है उनका आक्रोश तो समझा जा सकता है पर कुछ ऐसे भी जिले के महामहिम पत्रकार हैं जिन्हें इन सब से कोई लेना-देना नहीं सिर्फ अपना व्यापार चलाना ही इनका मकसद है,इसी वजह से वह बहिष्कार के मामले से अपने आप को दूर करके अपने व्यापार को सुरक्षित कर रहे हैं,वहीं पत्रकारों का एक समूह इस घटना से आहत है और इसका विरोध कर रहा है और प्रशासन की खबरों का बहिष्कार करने की बात कह रहा है,पर जो समूह इस समय उस घटना से आहत हुआ है उन्हे वरिष्ठ पत्रकार मना कर समझाकर मामले को ठंडा बस्ते में करके सब कुछ मैनेज करने पर लगे हुए देखे गए।

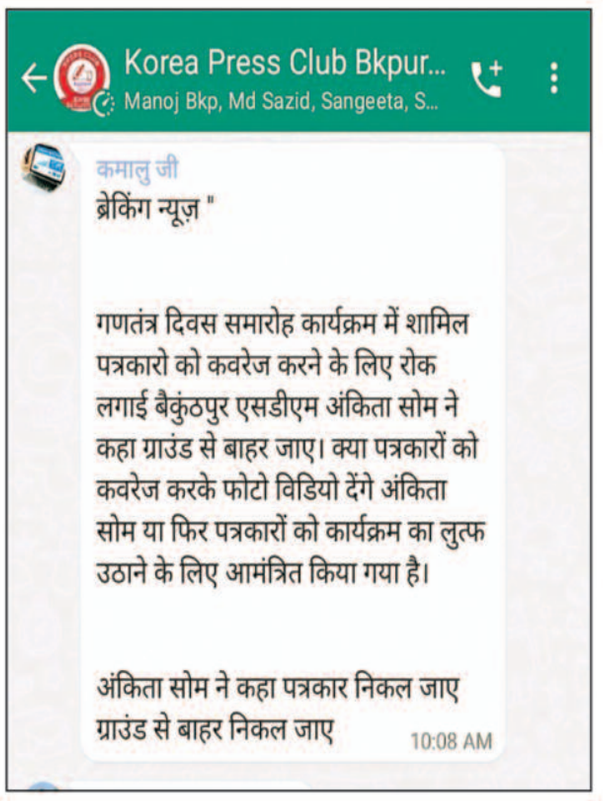

क्या पत्रकारों के सम्मान के लिए प्रशासनिक अधिकारी खतरा बनते जा रहे हैं ?

जिस तरह राष्ट्रीय पर्वो के दिन पत्रकारों का अपमान जारी है उसके बाद यह भी सवाल उठता है की क्या पत्रकारों के सम्मान के लिए प्रशासनिक अधिकारी खतरा बन चुके हैं। क्या प्रशासनिक अधिकारी पत्रकारों को अब अपने अनुसार चलाने का काम करेंगे वह प्रायोजित ही कुछ कर पाएंगे उनकी स्वतंत्रता बाधित रहने वाली है। कोरिया जिले में कुछ वर्षों से जो हो रहा है उसके बाद यही कहना उचित होगा की पत्रकार अब स्वतंत्र होकर कुछ लिख पाने में सक्षम नहीं हैं।

जिस तरह पत्रकारों के साथ राष्ट्रीय पर्वो के दिन अपमानजनक व्यवहार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है उसको देखते हुए यह प्रश्न उठता है की क्या प्रशासनिक अधिकारियों के भीतर शिष्टाचार बचा नहीं है। किसी को सम्मान के साथ बुलाकर उसका अपमान करना कैसी अतिथि सत्कार परंपरा है? यह कोरिया जिले के अधिकारियों को समझाना होगा। पुरवर्ती कांग्रेस शासनकाल में एक बार पत्रकारों का अपमान किया गया था राष्ट्रीय पर्व दिवस आयोजन के दौरान वहीं अब भाजपा शासनकाल में बैकुंठपुर में वैसी ही पुनरावृति देखी गई। पत्रकारों से आपत्ति थी उनकी फोटोग्राफी से तो उन्हे रोकना था उन्हे अपमानित कर बाहर जाने की चेतावनी देना कितना उचित है यह प्रशासनिक अधिकारियों को बताना चाहिए। क्या आने वाले समय में पत्रकार किसी आमंत्रण पर प्रशासन के जाने से परहेज ही रखें यह प्रशासन की मंशा है यह भी स्पष्ट करना चाहिए जिससे पत्रकार अपना मान सम्मान बचाने किसी कार्यक्रम में जाने से परहेज ही रखें।

क्या वर्तमान प्रशासनिक अधिकारियों में शिष्टाचार बचा नहीं ?

शासकीय ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ डीपीएम की पत्नी के नर्सिंग कालेज का वार्षिकोत्सव

डॉ. प्रिस जायसवाल हैं कोरिया में संविदा डीपीएम,उन्होने अपनी पत्नी के नाम खोल रखा है नर्सिंग कॉलेज,जहां उड़ रही है नियमों की धज्जियां

खुद को स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बतलाने वाले डीपीएम के आगे प्रशासन ने टेके घुटने

कार्यक्रम में विधायक भैयालाल राजवाड़े समेत अनेक जनप्रतिनिधी एवं कलेक्टर की पत्नी,सीएमएचओ समेत प्रशासनिक अधिकारी भी हुए शामिल

कलेक्टर कोरिया भी हैं संविदा डीपीएम पर मेहरबान,वजह समझा जा सकता है

स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर व स्टाफ भी है डीपीएम से परेशान लेकिन शिकायत के बाद भी रसूखदार डीपीएम पर नही हो रही कार्यवाही

विधायक बैकुंठपुर समेत पक्ष विपक्ष के नेता हुए शामिल

जिला पंचायत के ऑडिटोरियम में संपन्न हुए निजी नर्सिंग कॉलेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक बैकुंठपुर भैयालाल राजवाड़े समेत विशिष्ट अतिथि सीएमएचओ डॉ.आरएस सेंगर, संस्था के अध्यक्ष संत कुमार जायसवाल,सचिव श्रीमती वंदना जायसवाल,भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल,कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला,कलेक्टर की धर्मपत्नी डॉ. एकता लंगेह समेत प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहे।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला प्रशासन अब स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर पदस्थ डीपीएम के आगे बेबस और नतमस्तक नजर आ रहा है, डीपीएम द्वारा खुद को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का खास बतलाया जाता है, जिसका ताजा उदाहरण अभी हाल ही मे देखने को मिला है जिसमे कि डीपीएम ने अपनी पत्नी के नाम पर चला रहे निजी नर्सिंग कॉलेज का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम जिला पंचायत के ऑडिटोरियम में करा दिया इससे पहले किसी भी निजी संस्था को यहां आयोजन की अनुमति नही थी। लेकिन खुद को स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बतलाने वाले संविदा डीपीएम के पत्नी के नाम पर चल रहे नर्सिंग कॉलेज के लिए ऑडिटोरियम उपलब्ध कराया जाना अब चर्चा का विषय बन चुका है। प्रशासन की लाचारी भी स्पष्ट देखने को मिल रही है, नर्सिंग कॉलेज सिर्फ कागजो में डीपीएम की पत्नी के नाम पर है जबकि उसका पूरा संचालन स्वयं डीपीएम के द्वारा किया जाता है, जिस भवन में वह चल रहा है वह भी नियमानुसार कॉलेज के लिए उपयुक्त नही है लेकिन अपने रसूख के बल पर उसका संचालन किया जा रहा है,आयोजन में विधायक बैकुंठपुर,कलेक्टर की धर्मपत्नी समेत अनेक जनप्रतिनिधी,स्वयं जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी समेत कई प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। पूर्व में नर्सिंग कॉलेज संचालन जिस भवन में होता है उसके स्वामी ने खुद आपत्ति दर्ज कराई है।

जिस नर्सिंग कॉलेज भवन में वार्षिकोत्सव के लिए जगह नही वहां कैसे होता होगा कॉलेज का संचालन,सोचनीय विषय

नर्सिंग कॉलेज का संचालन जिला मुख्यालय के एक निजी भवन को किराये से लेकर किया जा रहा है जो कि मापदंडो के एकदम विपरीत है। चुंकि नर्सिंग कॉलेज संविदा डीपीएम डॉ. प्रिंस जायसवाल की पत्नी के नाम पर है और कर्ताधर्ता भी वहीं है लेकिन डीपीएम की स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन और ऊपर तक इतनी पहुंच है कि वे नियम कानून अपनी जेब मे लेकर चलते हैं। सोचनीय विषय है कि जिस भवन में वार्षिकोत्सव जैसे कार्यक्रम के लिए जगह नही है उसमें नर्सिंग कॉलेज के लिए तय मापदंड कैसे पूरा होता होगा। उक्त भवन सुरक्षा की दृष्टि से भी उपयुक्त नही है। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत भी स्पष्ट रूप से दिखलाई दे रही है।

क्या अब हर किसी को मिल सकेगा ऑडिटोरियम या फिर रसूखदार के आगे नतमस्तक हुआ जिला प्रशासन ?

जिला पंचायत के पीछे स्थित ऑडिटोरियम पर पूरा नियंत्रण प्रशासन का है,इससे पहले कभी भी यहां निजी संस्था का आयोजन नही हुआ था,लेकिन इस बार ऐसी क्या मजबूरी थी कि ऑडिटोरियम को स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित रिश्तेदार के नर्सिंग कॉलेज के वार्षिकोत्सव के लिए दे दिया गया। यह एक नई परंपरा शुरू की गई है जिसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या किसी भी निजी संस्था को अब आगे कार्यक्रम हेतु ऑडिटोरियम उपलब्ध हो जाएगा या फिर रसूखदार डीपीएम से अच्छे संबंधो के कारण ही जिला प्रशासन के मुखिया के ईशारे पर उन्हे इसे उपलब्ध करा दिया गया वैसे डीपीएम और कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह का संबंध इन दिनों कोरिया जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

डीपीएम की कार्यशैली से परेशान है स्वास्थ्य अमला

संविदा पर पदस्थ डीपीएम के लिए उनके कर्तव्य निर्धारित हैं लेकिन इससे उलट वे स्वास्थ्य विभाग में कुछ ज्यादा ही दखलंदाजी करते हमेशा नजर आते हैं,इसके पहले भी यहां कई डीपीएम रह चुके हैं लेकिन उनकी कार्यशैली इस प्रकार विवादित कभी भी नही रही। खुद को स्वास्थ्य विभाग का सर्वे सर्वा बतलाने वाले डीपीएम ने विभाग की ऐसी दुर्दशा कर दी है कि पूरा स्वास्थ्य अमला इन दिनों परेशान है,खुद विभाग के मुखिया डॉ. सेंगर डीपीएम के ईशारे पर चलकर विभाग की किरकिरी करा रहे हैं। आलम यह है कि पिछले दिनों सीएमएचओ एवं डीपीएम की शिकायत जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री से की है जिसके बाद डीपीएम के बचाव मुद्रा में कलेक्टर ने डॉक्टरों की बैठक भी ली जिसका कोई हल नही निकला। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीपीएम स्वास्थ्य विभाग को अपने हिसाब से चलाना चाह रहे हैं और इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग का अमला परेशान है।

स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बतलाकर दिखा रहे रौबःसूत्र

इस बारे में सूत्रो का कहना है कि डीपीएम डॉ. प्रिंस जायसवाल के द्वारा खुद को स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का रिश्तेदार बतलाकर खुद को पावरफुल बतलाने की कोशिश की जा रही है,विभाग में कार्यरत सीनियर डॉक्टर भी डीपीएम की कार्यशैली से परेशान है। विभाग में एसईसीएल के सीएसआर मद से सीटी स्केन मशीन खरीदी का मामला भी अभी तक पेंडिंग है जो कि कलेक्टर कोरिया द्वारा डीपीएम के माध्यम से खरीदी कराया गया है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बतलाकर डीपीएम द्वारा लाभ उठाया जा रहा है जिससे कि स्वास्थ्य मंत्री की छवि भी धूमिल हो रही है।

हमारा काम समाज को आगे बढ़ाना व समाज के अंतिम व्यक्ति को आगे बढ़ाना है,हम राम राज्य की कल्पना करते हैंःस्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,30 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की महत्वपूर्ण बैठक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में सरस्वती शिशु मंदिर न्यायालय के पीछे आयोजित किया गया, बैठक में मंडल के शक्ति केंद्र संयोजक सहसंयोजक बूथ अध्यक्ष मोर्चा प्रकोष्ठ के जिला पदाधिकारी मंडल पदाधिकारी समेत कार्यकर्तृता काफी संख्या में मौजूद रहे। सर्वप्रथम स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं पार्टी पदाधिकारियों ने भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. सर्वप्रथम पार्टी कार्यकर्तृताओं ने मंच में उपस्थित अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण व अंग वस्त्र भेंट कर किया।

इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा चुनाव में निष्ठा के साथ कार्य करने वाले कार्यकर्तृताओं का स्वागत किया, इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी,लखन लाल श्रीवास्तव, श्याम बिहारी रैकवार, सुरेश सोनी, राहुल सिंह, रामचरित द्विवेदी, जे के सिंह, दिनेश्वर मिश्रा, प्रवीण निशि,रामलखन सिंह, अरुणोदय पांडे, सरजू यादव,धर्मेंद्र पटवा, आलोक जायसवाल,महेन्द्र पाल सिंह, विवेक अग्रवाल, वीरेंद्र सिंह राणा, प्रतिमा पटवा, धनंजय पांडे समेत पार्टी कार्यकर्तृता काफी संख्या में मौजूद रहे, आगामी लोकसभा व नगर पालिका चुनाव के मद्देनज़र कार्यकर्तृताओं में ऊर्जा का संचार करने आयोजित बैठक में बृहद रूप रेखा बनाई गई, अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि हमारा काम समाज को आगे बढ़ाना व समाज के अंतिम व्यक्ति को आगे बढ़ाना है, हम राम राज्य की कल्पना करते हैं, हमारी राज्य व केंद्र में सरकार है, हमें उनकी सेवा करना है जिन्हें कोई नहीं पूछता है, पार्टी को लगातार मजबूत करना है. अगर मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं होते तो क्या धारा 370 हट सकती थी, क्या श्री राम मंदिर बन सकता था, इसलिए हमें सभी को पार्टी हित में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, मुझे प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी मिली है, इसलिए आप सभी की जिम्मेदारी बढ़ गई है, क्षेत्र में कहीं भी अवैध काम को रोकना हमारी जिम्मेदारी है, मेरा सभी से निवेदन है कि सभी कार्यकर्तृताओं को पूरा सम्मान मिले इसकी चिंता हम सभी को करना है, इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कल मेडिकल कालेज के लिए भूमि का होगा चयन, इसी बजट में रेल लाइन के लिए बजट भी आबंटित होगा, इसके साथ ही मनेन्द्रगढ़ में 100 बेड अस्पताल तथा 100 बिस्तर का मेटर निटी अस्पताल के लिए भी बजट में राशि का प्रावधान किया जायेगा, इस अवसर पर आदित्य अग्रवाल, जीतेन्द्र खटीक, अनुपमा निशि, अल्का गाँधी, कला बाई, श्यामा सेन, मीनू सिंह, पूजा घोषाल, अर्चना विश्वकर्मा, डा. रश्मि सोनकर, रश्मि मिश्रा,प्रतिमा यादव,आराधना सोनी, बलाल अख्तर, अपूर्व कर, सुरेश श्रीवास्तव, मो. वारिस, इक़बाल सिंह, राम मनोहर शाह समेत सैकड़ो कार्यकर्तृता मौजूद रहे।

खड़गांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुए भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े कारनामे

जांच और शिकायत तो सिर्फ खानापूर्ति ही रह गई है...

छत्तीसगढ़ शासन के आदेश को भी चुनौती देता बंजारीडांड़ में पदस्थ फार्मासिस्ट जो पिछले आठ सालों से खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में है संलग्न ?

क्या इस दूसरे जिले से संलग्न फार्मासिस्ट को खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से हटाया जाएगा ?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न फार्मासिस्ट जिसकी पदस्थापना बंजारीडाड में है उससे खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न कर रखा गया है जबकि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले तीस वर्षों से फार्मासिस्ट की पदस्थापना होने के बाद भी इस फार्मासिस्ट जो कोरिया जिले के बंजारीडाड में पदस्थ हैं जबकि कोरिया से विभाजित होकर एम सी बी जिले को बने लगभग एक वर्ष हो गए हैं उसके बाद भी ये फार्मासिस्ट खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न होने के साथ प्रोत्साहन राशि का भी लाभ लाखों रुपए का लिया गया है।

फार्मासिस्ट की पदस्थापना बंजारीडाड में होने के बाद विगत 2016 से पिछले आठ वर्षों से खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न है रहकर इस आई डी नंबर 01170060035 से लाखों रुपए की प्रोत्साहन राशि मंगवाने का मामला सामने आया है। नयी सरकार के बनने के बाद फिर एक बार चर्चा का विषय बना गया है खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न फार्मासिस्ट को प्रोत्साहन राशि में हुए घोटाले का मामला जिसमें पूरे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में करोड़ों रुपए का किया गया वारा न्यारा । इस फार्मासिस्ट की आई डी नंबर 01170060035 से 445 केश की राशि 51403/- रूपए और 1442 केश की राशि 150302/- रूपए प्रोत्साहन राशि आई है।

पूर्व में कलेक्टर कोरिया को शिकायत की गई थी...

जिसकी जांच के नाम पर महज खानापूर्ति कि गई है क्योंकि सरकार भी कांग्रेस की और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ नेत्र सहायक जिनके द्वारा खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सारी गतिविधियों पर खेल किया जाता है सूत्रों से ये भी जानकारी मिल रही है कि इसके द्वारा और भी कई तरह के प्रोत्साहन राशि का खेल किया गया है।कांग्रेस नेता के रिश्तेदार होने का पूरा लाभ भी इन्हें भी प्राप्त हुआ जिससे शिकायत जांच महज दिखावा बन कर रह गई,? अगर सारे तथ्यों के आधार पर सही तरीके से निष्पक्ष जांच हो तो कई बड़े मामले उजागर हो सकते हैं ? इस संबंध में संलग्न फार्मासिस्ट रवि नाहक से उनके पिछले 2016 से खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न होने की जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि मुझे सीएमओ ने संलग्न किया है।

शहीद दिवस पर कलेक्ट्रेट में रखा गया दो मिनट का मौन

कलेक्टर सहित अधिकारियों-कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नशा मुक्ति हेतु लिया संकल्प

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। शहीद दिवस पर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में आज कलेक्ट्रेट में दो मिनट का मौन रखा गया। इसके साथ ही कलेक्टर रोहित व्यास सहित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उपस्थित अधिकारियों ने नशामुक्ति के तहत छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने,अपने परिवार में हर्षोल्लास रखने,तन,मन,धन को सुदृढ़ बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सभी वर्ग के व्यक्तियों में नशापान के दुष्परिणामों को प्रचारित कर यथासंभव नशा पीड़ियों से व्यक्तिगत संम्पर्क कर उन्हे नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने हेतु संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

हत्या का मामला पुलिस नें 20 घंटे के भीतर सुलझाया,हत्या के जुर्म में 2 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
कुसमी,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

थाना अंतर्गत हर्री ग्राम में 28 जनवरी 2024 को थाना प्रभारी जितेन्द्र जायसवाल को मोबाईल से सुचना मिला की गांव के महेश नामक व्यक्ति के कुएं में एक लाश तैर रहा है जिसका शर बोरे से ढका हुया है,थाना प्रभारी नें सुचना पाकर घटना की जानकारी पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी महोदय को देने पर पुलिस अधीक्षक नें तत्तकाल कुसमी पुलिस को घटना स्थल पर भेजा गया घटना स्थल में उपनिरिक्षक बीएन शर्मा के हमराह पर पुलिस बल घटना स्थल में पहुंची,तो पुलिस नें शव के बारे में पता किया लेकिन गांव के लोग शव देखकर पहचान नहीं कर सके,फिर लोगो ने गांव के लक्ष्मण केरकेट्टा को काफी दिनों से नही देखा तो लोगो ने शक जाहिर किया लक्ष्मण के होने का,मौके पर पुलिस ने प्रार्थी सनमान पिता स्व बोलो राम उम्र 65 वर्ष के रिपोर्ट पर देहाती नासली तैयार कर हत्या की आशंका पर अंबिकापुर से एफएसएल की टीम बुलाई गई फिर एफएसएल टीम के वैज्ञानिक अधिकारी एस के.सिंह के साथ मौके ग्राम हर्री पहुचकर बिना नंबरी अपराध एवं अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 302 ,201भादवि का बिना नंबरी अपराध दर्ज कर आरोपीयो की पता तलाश करने के लिये विवेचना शुरु किया गया तो पुलिस को पता चला की फदु तिर्की की बेटी सुमित्रा को 12-13 वर्ष पुर्व लक्ष्मण के साथ दोनो आपस में प्रेम विवाह किये थे लेकिन मृतक का ससुर फदु दोनो के शादी से नाराज होकर सामान्य हालत में नही हुया था ,वही दोनो पति पत्नी शंकरगढ बचवार जाकर किराये के मकान में बच्चो के साथ रह रहे थे , दोनो का आपस में संबंध अच्छा था,वही जिस स्थिति में लक्ष्मण का शव कुया में मिला था उसे देखकर लग रहा था की कातिल एक नही है बल्कि और भी है वही पुलिस तहकीकात कर रही थी की पुलिस को पता चला की फदु नें मृतक की बहन अमृता के पास फोनकर के कहा था की लक्ष्मण को हर्री भेज दो,लेकिन जो फदु कभी लक्ष्मण के परिवार से बात नही करता था जब उसके द्वारा फोन करने की बात भी संदेह के घेरे में आया,वही करीब 15 दिन पुर्व मृतक अपने सास के हाथ में मार दिया था तब फदु के द्वारा लक्ष्मण को समझाने के लिये ग्राम कोटवार विजय एवं चंदर को कहा था जब शव को कुएं में मनरुप के द्वारा देखा गया था वही बगल में खडे फदु के भाई सुखना को बुलाया गया लेकिन वो देखे बिना चला गया वहाँ से इन सब बातो का जब पुलिस को पता चला तो पुलिस नें फदु और सुखना को अपने अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया तो सुखना नें बताया कि फदु की लडकी के साथ लक्ष्मण नें शादी कर लिया था साथ ही इसकी पत्नि के साथ भी मारपीट किया था , और 23 जनवरी की रात करीब 9.30 बजे जब फदु और सुखना खाना बना रहे थे तो उस समय नशे की हालत में लक्ष्मण आया और लडाई झगडा करने लगा तब फदु पीढा से उसके छाती में मारा और सुखना टांगी से कई वार कर उसकी हत्या कर दी और फिर दोनो भाई मिलकर शव के गले व छाती में करीब 10-10 किलो का पत्थर प्लास्टिक की रस्सी से बांध कर बोरे में भर कर महेश के कुये में फेक दिया था,वही पुलिस नें दोनो आरोपीयो को गिरिफ्तार कर उनसे हत्या में प्रयुक्त की गई टांगी और पीढा को जब्त कर आरोपीयो को हत्या के जुर्म में न्यायिक रिमाड पर भेज दिया है, विवेचना मे थाना प्रभारी जितेन्द्र जायसवाल,उपनिरिक्षक बी.एन.शर्मा,आरक्षक जगमोहन तिर्की,संजय साहू नें विशेष योगदान दिया।

67 वीं राष्ट्रीय शालेय बेसबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता के क्वाटर फाइनल में छत्तीसगढ़,दिल्ली और महाराष्ट्र की टीम ने मारी बाजी

-संवाददाता-
कोरबा,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिले में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2023-24 के तहत आज बालक-बालिका 14 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बेसबॉल मैच आयोजित किए गए। लीग मैच 19 वर्ष बालक आयु वर्ग में महाराष्ट्र को हराकर चंडीगढ़, तेलंगाना को हराकर दिल्ली, सीबीएसई को हरा विद्याभारती, तमिलनाडु को हराकर हरियाणा, बालिका 14 वर्ष आयु वर्ग में मध्यप्रदेश को हराकर तेलंगाना ने जीत हासिल की। क्वाटर फाइनल बालक 19 वर्ष आयु वर्ग में विद्याभारती को हराकर महाराष्ट्र, चंडीगढ़ को हराकर छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर को हराकर दिल्ली, हरियाणा को हराकर मध्यप्रदेश ने जीत हासिल की। क्वाटर फाइनल बालिका 19 वर्ष आयु वर्ग में आंध्रप्रदेश को हराकर चंडीगढ़, हरियाणा को हराकर महाराष्ट्र, केरल को हराकर छत्तीसगढ़,तेलंगाना को हराकर दिल्ली ने विजय प्राप्त की। क्वाटर फाइनल बालक 14 वर्ष आयु वर्ग में मध्यप्रदेश को हराकर दिल्ली, तेलंगाना को हराकर छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश को हराकर महाराष्ट्र और हरियाणा को हराकर सीबीएसई ने जीत दर्ज की। क्वाटर फाइनल बालिका 14 वर्ष आयु वर्ग में तेलंगाना को हराकर दिल्ली ने जीत हासिल की।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम राकेश कुमार सिंह पिता श्री महात्मा नंद सिंह अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम राकेश सिंह पिता श्री महात्मा नंद सिंह निवासी/पता वार्ड क्रं.08, गांधीनगर अम्बिकापुर रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय/अर्द्ध शासकीय अन्य दस्तावेजों में नया नाम राकेश सिंह पिता श्री महात्मा नंद सिंह से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
राकेश सिंह
पता-वार्ड क्रं. 08 गांधीनगर
अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)

एनजीईएल ने हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

-संवाददाता-
कोरबा,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने प्रति वर्ष 01 मिलियन टन क्षमता तक ग्रीन हाइड्रोजन और डेरिवेटिव (ग्रीन अमोनिया, ग्रीन मेथनॉल) के विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है, जिसमें 02 गीगावॉट की पंप हाइड्रो परियोजनाएं और राज्य में 05 गीगावॉट तक भंडारण के साथ बिना आरई परियोजनाओं के विकास शामिल है। 29 जनवरी 2024 को माननीय मुख्यमंत्री,माननीय उपमुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री मोहित भार्गव,मुख्य कार्यकारी अधिकारी,एनजीईएल और नारायण कराड,उप सचिव (ऊर्जा), जीओएम के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। उपरोक्त समझौता ज्ञापन पर अगले पांच वर्षों में महाराष्ट्र सरकार की हरित निवेश योजना के एक भाग के रूप में हस्ताक्षर किए गए हैं और इसमें लगभग ? 80,000 करोड़ के संभावित निवेश की परिकल्पना की गई है। 2032 तक एनटीपीसी 60 गीगावॉट की आरई क्षमता बनाने की राह पर है। वहीं एनजीईएल पर एनटीपीसी की पूर्ण स्वामित्व है ।

वाणिज्य,श्रम सह उद्योग मंत्री ने 1.76 करोड़ की लागत से नवनिर्मित सब स्टेशन का किया उद्घाटन

-संवाददाता-
कोरबा,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश के वाणिज्य, श्रम और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने खरमोरा में नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सब स्टेशन के शुरू हो जाने से कई वार्डों की बिजली की समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। विशेष तौर पर दादरखुर्द, खरमोरा समेत अन्य वार्डों में निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति हो पाएगी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सब स्टेशन से गर्मी के दिनों में लो वोल्टेज और कटौती से राहत मिलेगी। शहर के कई जगहों पर नवीन उपकेंद्र निर्माणाधीन है। हमारा प्रयास है कि सभी का निर्माण जल्द पूरा हो सके ताकि पूरे शहर में बिजली की समस्या से निदान मिल सके। इस सब स्टेशन से आसपास के 4 वार्डों के 5 हज़ार उपभोक्तओ को इसका लाभ मिलेगा। वार्ड वासियों की मांग पर मंत्री श्री देवांगन ने वितरण विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया कि जिन भी वार्डों में अधिक बिजली बिल की शिकायत है,वहां जल्द शिविर लगाकर शिकायतों का निराकरण करें। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण सहित डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी के अधिकारी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

धोखाधड़ी की स्थिति में दर्ज कराएं शिकायत

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा प्रदेश में महतारी वन्दन योजना लागू किया जाना है। ऐसे अनेक प्रकरण प्रकाश में आये हैं जिसमें अनाधिकृत लोगों के द्वारा महिलाओं से संपर्क कर महतारी वन्दन योजना से लाभ दिलाये जाने के फार्म उपलब्ध कराए जा रहे हैं एवं लाभ दिलाये जाने हेतु राशि ली जा रही है जो कि पूर्णतः धोखाधड़ी है। यदि ऐसे प्रकरण आपके प्रकाश,संज्ञान में आयें हों अथवा आये तो विभाग से संपर्क करें या अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं।

छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड
ब्लॉक नं. - 07 ए. द्वितीय तल, ऑफिस काम्पलेक्स
सेक्टर -24, अटल नगर रायपुर

क्रमांक/ ई-परिवहन निविदा/2023-2024 /350 रायपुर, दिनांक 11.01 2024

ई - निविदा सूचना

निगम द्वारा परिवहन एवं हमाली कार्य हेतु प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लिए कार्पोरेशन के निधार्रित संबंधित ई - परिवहन निविदा दस्तावेज (जिसमें विस्तृत निविदा निर्देश/शर्तें आदि वर्णित है) में दिनांक 15.02.2024 सायं 5.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है।

Bid Start Date	15-01-2024	11.00 AM
Bid Due Date	15-02-2024	05.00 PM
Bid Open Date From	16-02-2024	11.00 AM

ई- निविदा के नियम शर्तें एवं विस्तृत जानकारी वेबसाई http://eproc.cgstate.gov.in एवं राज्य सरकार के वेबसाईट www.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये मान्य अथवा अमान्य किये जाने का अंतिम अधिकार प्रबंध संचालक को रहेगा।

(प्रबंध संचालक महोदय द्वारा अनुमोदित)
कार्यपालन संचालक (वित्त)
सं.- 39343

जिला प्रबंधक
नागरिक आपूर्ति निगम
छ0ग0 स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पो.लि.
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, मेसर्स कर्रा लाईम स्टोन माईन (प्रो. श्री द्वितेन्द्र कुमार मिश्र) पिता-स्व0 श्री जीवन नाथ मिश्र, विवेकानंद नगर किसान राईस मिल, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 को ग्राम-कर्रा, तहसील-लुण्ड्रा, जिला-सरगुजा के पार्ट ऑफ खसरा क्र. 532 एवं 534 में स्थित चूना पत्थर (गौण खनिज) खदान, कुल क्षेत्रफ ल 1 हेक्टर, उत्खनन क्षमता-11,875 टन (4,750 घन मीटर) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृत पत्र क्र. 2664/एस. इ. आई. ए. ए. छ0ग0 /माईन/2382 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 23/01/2024 को राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के द्वारा उपरोक्त आवेदन कर्ता को प्रदान हो चुकी है।

टीपः-क्षेत्रीय अधिकारी छ0ग0 पर्यावरण मंडल अम्बिकापुर को सादर सूचनार्थ।

मे0 कर्रा लाईम स्टोन माईन
श्री कल्याण स्टोन क्रेशर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्रम सं. (1) ई–निविदा संख्या : CPM-ENGG -GSU-BSP-24-23-24, दिनांक 24.01.2024.

कार्य : "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के पेंड्रा रोड पर सीईडब्ल्यूआरएल कनेक्टिविटी के संबंध में ट्रैक कार्य, ईआई बिल्डिंग, एसएसई (पी.वे) कार्यालय का निर्माण कार्य और अन्य संबद्ध विविध कार्यों सहित पेंड्रा रोड पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य।"
निविदा मूल्य : ₹12,01,53,238.02/-।
अमानत राशि : ₹75,08,00.00/- । कार्य पूर्णता की अवधि : 12 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि : दिनांक 01.02.2024 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : दिनांक 15.02.2024 के 15:00 बजे तक।
उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
उप मुख्य अभियंता (गतिशक्ति) सीपीआर/10/402 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail
RO.No.1643 Date:30.01.2024

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202401020700015

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सनः- 2023-2024
फुन्दुडिहारी प.ह.न. 00016 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-अनिल कुमार सिंह, अनावेदक पक्षकार- श्रीमति शकुन्तला सिंह

ईश्तहार

आवेदक अनिल कुमार सिंह आ0 त्रिलोक सिंह, निवासी गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुडिहार स्थित खसरा नंबर 40/70 रकबा 0.098 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 शकुन्तला देवी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/02/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/01/2024 को जारी किया जाता है।

सील तहसीलदार
सरगुजा,अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा. सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग)

रा0प्र0क्रं0 202312260300085
अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोपालपुर को सूचित किया जाता है आवेदिका आनंदी गुसा पति मुकेश गुसा जाति हलवाई, निवासी ग्राम सूरजपुर, तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-गोपालपुर, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. व तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 564/5 रकबा 0.048 हे0 कृषि भूमि को औद्योगिक प्रयोकजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 31/01/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/01/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

सील विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

संक्षिप्त खेल समाचार

कोहली सबसे फिट क्रिकेटर हैं,उन्हें एनसीए में कभी नहीं देखा

हैदराबाद,30 जनवरी 2024। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने पूर्ववर्ती विराट कोहली की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान अपनी फिटनेस को लेकर इतने सजग हैं कि वह कभी भी राष्ट्रीय क्रिकेट संघ (एनसीए) में विशेषज्ञों की सेवा लेने नहीं गए।

रोहित शर्मा ने यहां राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इस तथ्य को स्वीकार किया कि कोहली इस समय विश्व क्रिकेट के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक हैं। कोहली के व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर पहले दो टेस्ट मैचों से हटने के कारण भारत को पहली पारी में 190 रन की बढ़त लेने के बावजूद इंग्लैंड से 28 रन से हार का सामना करना पड़ा।इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट श्रृंखला के दौरान अनुभवी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में भारतीय कप्तान ने कहा कि वह चाहते हैं कि युवा कोहली से प्रेरणा लें।

रोहित ने कार्तिक को जियो सिनेमा पर बताया, विराट कोहली अपने पूरे करियर में कभी भी एनसीए नहीं गए हैं। मैं कहूंगा कि सभी युवा खिलाड़ियों को उनका जुनून देखना चाहिए। वह कवर ड्राइव, फ्लिक, कट कैसे खेलते हैं, इसकी बात छोड़ दें, बल्कि सबसे पहले यह समझें कि खिलाड़ियों की गुणवत्ता क्या है जो उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाती है।

कोहली पहले टेस्ट से पहले हैदराबाद में भारतीय टीम में शामिल हुए थे, लेकिन रोहित और टीम प्रबंधन के साथ इस मुद्दे पर चर्चा के बाद पहले दो टेस्ट से हटने से पहले उन्होंने वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र में भाग नहीं लिया।

अंडर 19 पुरुष विश्व कप

भारत ने अमेरिका को 201 रनों से हराया

इस जीत में कुलकर्णी,मुशीर की बल्लेबाजी,तिवारी का 4-20 के विकेट का काफी योगदान रहा

ब्लोमफोंटेन,30 जनवरी 2024। मुख्य बल्लेबाजों अर्शिन कुलकर्णी और मुशीर खान की शानदार पारियों की बदौलत पूर्व चैंपियन भारत ने आईसीसी अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 के अपने अंतिम ग्रूप गेम में अमेरिका को 201 रनों से हरा दिया।

कुलकर्णी (108) के शतक और मुशीर (73) की एक और बेहतरीन पारी ने भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ एक बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। इससे पहले नमन तिवारी (4-20) ने अपने गेंदबाजी से चार विकेट लेकर 201 रन से जीत में बड़ा योगदान दिया।

ब्लोमफोंटेन में एक और प्रभावशाली बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर भारत ने यू19 पुरुष सीडब्ल्यूसी में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा।

सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी, जो पहले कुछ मैचों में चूक गए थे, ने यूएसए के टॉस जीतने और भारत को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करने के बाद शानदार शतक बनाया।

यूएसए ने पावरप्ले के तुरंत बाद आदर्श सिंह का विकेट लिया, लेकिन कुलकर्णी और पिछले गेम के शतकवीर मुशीर खान के बीच स्टैंड को तोड़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मुशीर और कुलकर्णी तेजी से आगे बढ़े और भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को दबाव में लाने के लिए शतकीय पारी खेली। दोनों ने 155 रन की साझेदारी में आसानी से बाउंड्री लगाई जो 36वें ओवर में टूटी, जब ऋषि रमेश ने मुशीर को 73 रन पर आउट कर दिया।

कुलकर्णी ने 41वें ओवर में अपना शतक पूरा किया और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने 110 गेंदें खेलीं। इस बीच, दूसरे छोर पर उदय सहारन ने स्कोरिंग दर को बढ़ाया और आर्य गर्ग की धीमी गेंद को प्वाइंट पर मारने से पहले 27 गेंदों में 35 रन बनाए।

कुलकर्णी अगले ओवर में आउट हो गए, लेकिन अगले कुछ ओवरों में कुछ बड़े हिट के साथ भारत ने 50 ओवरों में 326/5 के मजबूत स्कोर के साथ खेल खत्म किया।

गेंदबाजों ने दो त्वरित विकेट लेकर भारत के बल्लेबाजी प्रयास का जवाब दिया। प्रणव चेट्टीपलायम को पहले ओवर में राज लिम्बानी ने दो रन पर बोल्ड कर दिया और अगले ओवर में नमन तिवारी ने भव्य मेहता को क्लीन बोल्ड कर दिया, जिससे यूएसए का स्कोर 2 विकेट पर 2 रन हो गया।

तिवारी ने कप्तान रमेश को आठ रन पर आउट कर दिया और यूएसए के सामने एक बड़ा लक्ष्य 12/3 पर सिमट गया। उत्कर्ष श्रीवास्तव और अमोघ अरेपल्ली ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन भारत ने विकेट लेना जारी रखा।

तिवारी ने श्रीवास्तव और मानव नायक को लगातार दो ओवरों में आउट करके चार विकेट लिए, जबकि सौम्य पांडे ने अपनी तरफ से चीजों को अविश्वसनीय रूप से मजबूत बनाए रखा। बाएं हाथ के स्पिनर ने खेल के अंत में एक विकेट हासिल किया, लेकिन उनके स्पेल की खास बात यह थी कि उन्होंने 10 ओवर में सिर्फ 13 रन दिए।

संयुक्त राज्य अमेरिका 125 पर समाप्त हुआ और भारत ने 200 से अधिक रनों के अंतर से लगातार जीत दर्ज की और उच्च स्तर पर सुपर सिक्स में पहुंच गया।

भारत अब सुपर सिक्स चरण में क्रमशः 30 जनवरी और 2 फरवरी को इसी स्थान, ब्लोमफोंटेन के मैंगांग ओवल में न्यूजीलैंड और नेपाल से खेलेगा।

संक्षिप्त स्कोर

भारत ने 50 ओवर में 326/5 (अर्शिन कुलकर्णी 108, मुशीर खान 73, उदय शरण 35, अतेंद्र सुब्रमण्यम 2-45) ने यूएसए को 50 ओवर में 125/8 (उत्कर्ष श्रीवास्तव 40; नमन तिवारी 4-20) 201 रन से हराया।

दीप्ति शर्मा और रेनुका सिंह को हुआ जबरदस्त फायदा

- ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं का है ऐसा हाल
- आईसीसी की ताजा महिला टी 20 इंटरनेशनल रैंकिंग में गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर पहुंची दीप्ति शर्मा
- भारतीय पेसर रेनुका सिंह को आईसीसी महिलाओं की टी 20 इंटरनेशनल रैंकिंग में 10 स्थान का फायदा हुआ
- ऑस्ट्रेलिया की बेथ मुनी ने आईसीसी की ताजा महिला टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में बल्लेबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखा...

नई दिल्ली,30 जनवरी 2024। इंग्लैंड की लेग स्पिनर साराह ग्लेन को एक स्थान का फायदा हुआ और वो रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। रेनुका सिंह को 10 स्थान का फायदा हुआ है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 इंटरनेशनल सीरीज चल रही है, जिसके कारण रैंकिंग में काफी बदलाव हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड ने छह स्थान की छलांग लगाई और वो 34वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजाने कैप 40वें स्थान पर हैं।

बेथ मुनी नंबर-1

ऑस्ट्रेलिया की स्टार विकेटकीपर बैटर बेथ मुनी ने महिलाओं की टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने इसी महीने में दो अर्धशतक जमाए हैं। मुनी ने भारत के खिलाफ तीसरे व अंतिम मुकाबले में 45 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए थे। फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने सीरीज के उद्घाटन मैच में नाबाद 72 रन की उम्दा पारी खेली।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का दबदबा

महिलाओं की टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में बैटर्स में मैक्ग्रा दूसरे स्थान पर काबिज हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। वोलवार्ड ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में छह विकेट से जीत दिलाकर इतिहास रचा। दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया को टी20 इंटरनेशनल मैच में मात दी थी।

आईसीसी ने जसप्रीत बुमराह को जमकर लगाई फटकार

हैदराबाद,30 जनवरी 2024। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को हैदराबाद टेस्ट में आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो किसी खिलाड़ी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।आईसीसी ने बुमराह को फटकार लगाई है, उनके ऊपर जुर्माना नहीं लगाया गया। यह 24 महीनों में उनका पहला अपराध था। हालांकि, आईसीसी ने कार्रवाई करते हुए उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया है। यह वाकया इंग्लैंड की दूसरी पारी के 81वें ओवर में हुआ। बुमराह ने जानबूझकर ओली पोप के रास्ते में कदम रखा था। पोप एक रन लेने के लिए दौड़े थे। बुमराह की हरकत से अनुचित शारीरिक संपर्क हुआ। हालांकि, कप्तान रोहित शर्मा ने मामला संभाला और दोनों खिलाड़ियों को शांत किया। टेस्ट सीरीज़ के शुरुआती मैच में इंग्लैंड से 28 रन की हार मौजूदा

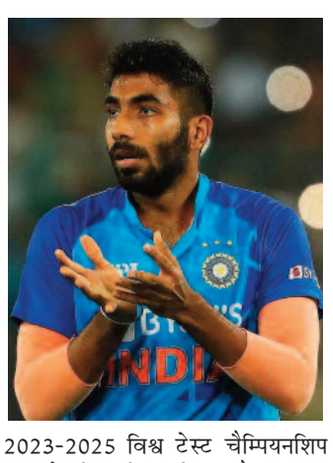

2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में टीम की दूसरी हार है, जिसका मतलब है कि भारत मौजूदा रैंकिंग में तीन स्थान गिरकर पांचवें स्थान पर आ गया है। दो बार के डब्ल्यूटीसी उपविजेता भारत का अंक प्रतिशत अब 54.16 से घटकर 43.33 हो गया है। इसके अलावा वे अब डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से पीछे हैं।

यूएसए महिला टीम भुवनेश्वर में उतरी

भुवनेश्वर,30 जनवरी 2024। संयुक्त राज्य अमेरिका की महिला हॉकी टीम अपना एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। टीम ओडिशा के भुवनेश्वर में बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी. हाल ही में संपन्न एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में पेरिस 2024 ओलंपिक में स्थान सुरक्षित करने के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के माध्यम से एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 स्थान हासिल करने पर केंद्रित है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 (महिला) राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में जाने से पहले 3 फरवरी से 9 फरवरी तक भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में होने वाली है, जहां लीग 12 फरवरी से फरवरी तक जारी रहेगी। 18. पांच राष्ट्रीय टीमें भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया एफआईएच प्रो लीग 2023/24 के भारत चरण में भाग लेंगी, एक बार भुवनेश्वर में और एक बार राउरकेला में एक-दूसरे का सामना करेंगी।एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के शुरुआती गेम में 3 फरवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका का सामना नीदरलैंड से होगा। उनका दूसरा गेम 6 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा, उसके बाद 7 फरवरी को चीन के साथ मुकाबला होगा। फिर उनका सामना भारत से होगा 9 फरवरी को भुवनेश्वर लेग के आखिरी मैच में।भारतीय महिला हॉकी टीम के साथ उनका पिछला मुकाबला रांची 2024 में एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में था, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने 1-0 से जीता था। शुरुआती गति का फायदा उठाते हुए, उन्होंने पूल बी में शीर्ष पर पहुंचने के लिए इटली और न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की। सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ 2-1 की जीत ने पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए उनकी योग्यता की गारंटी दी। उनकी एकमात्र हार फाइनल में हुई, जहां वे जर्मनी से 0-2 से हार गए।टीम की आगे की राह पर प्रकाश डालते हुए कप्तान अमांडा गोलिनी ने कहा, हम इसमें वापसी करने के लिए उत्सुक हैं।

दिव्या देशमुख ने टाटा स्टील मास्टर्स में लैंगिक भेदभाव का आरोप लगाया

नई दिल्ली,30 जनवरी 2024। भारतीय शतरंज स्टार दिव्या देशमुख ने नीदरलैंड के विज्क आन ज़ी में टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी के बाद खेल में लिंगवाद और स्त्री द्वेष के मुद्दे पर जोर दिया है। इंटरनेशनल मास्टर उस टूर्नामेंट में 13 में से 4.5 अंक के साथ 12 वें स्थान पर रहे, जिसमें हंस नीमन और हरिका द्रोणावल्ली जैसे खिलाड़ी थे। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में देशमुख ने महिला खिलाड़ियों के साथ अक्सर दर्शकों द्वारा किए जाने वाले व्यवहार पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने खुलासा किया कि उनके मजबूत प्रदर्शन और अपने खेल पर गर्व के बावजूद, दर्शकों का ध्यान उनके कपड़े, बाल और उच्चारण जैसे अप्रासंगिक पहलुओं पर केंद्रित था।

दिव्या ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं कुछ समय से इस बारे में बात करना चाहती थी, लेकिन अपने टूर्नामेंट के खत्म होने का इंतजार कर रही थी। मुझे बताया गया और मैंने खुद भी देखा कि शतरंज में महिलाओं को अक्सर दर्शक कैसे हल्के में लेते हैं।मैंने कुछ खेल खेले जो मुझे लगा कि वे काफी अच्छे थे और मुझे उन पर गर्व था। मुझे लोगों ने बताया कि कैसे दर्शकों को खेल से कोई परेशानी नहीं थी, बल्कि उन्होंने दुनिया की हर संभव चीज़ पर ध्यान केंद्रित किया मेरे कपड़े, बाल , उच्चारण, और हर अन्य अप्रासंगिक चीज़। मुझे लगता है कि महिलाओं की कम सराहना की जाती है दिव्या देशमुख यह सुनकर मैं काफी परेशान हुआ और मुझे लगता है कि यह दुखद सच्चाई है कि जब महिलाएं शतरंज खेलती हैं तो लोग अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि वे वास्तव में कितनी अच्छी हैं, वे जो खेल खेलती हैं और उनकी ताकत क्या है। मुझे यह देखकर काफी निराशा हुई कि कैसे हर चीज के बारे में चर्चा की गई मेरे खेल को छोड़कर मेरे साक्षात्कार (दर्शकों द्वारा) पर बहुत कम लोगों ने ध्यान दिया और यह काफी दुखद बात है।

मुझे लगा कि यह एक तरह से अनुचित है क्योंकि अगर मैं किसी लड़के के साक्षात्कार में जाऊंगा तो व्यक्तिगत स्तर पर कम आलोचना होगी, खेल और खिलाड़ी के बारे में वास्तविक प्रशंसा नहीं होगी। मुझे लगता है कि महिलाओं की कम सराहना की जाती है, और हर अप्रासंगिक चीज़ पर ध्यान केंद्रित किया जाता है और नफरत की जाती है जबकि लोग शायद उन्हीं चीजों से दूर हो जाएंगे।

सारा अली खान ने करीना के सामने कार्तिक आर्यन को दिया फ्लाइंग किस फिर लगाया गले

सारा अली खान और कार्तिक आर्यन एक समय पर अपने रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन चुके हैं। दोनों ने इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल में साथ काम किया था।इस फिल्म की रिलीज के बाद ही दोनों के रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगी थी। कार्तिक के ब्रेकअप की खबर ने उनके फैंस का दिल तोड़ दिया था। हालांकि,ब्रेकअप के बाद भी दोनों एक-दूसरे से हमेशा अच्छे से पेश आते हैं, जिसे देखकर इनके फैंस भी ये गुजारिश करते हैं कि वह एक बार फिर से साथ में आ जाए। अब हाल ही में कार्तिक आर्यन और सारा अली खान का एक वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर फैंस दोनों को बस देखते ही रह गए।सारा अली खान और कार्तिक आर्यन बीते दिनों गुजरात में हुए फिल्मफेयर अवॉर्ड 2024 का हिस्सा बने थे। गुजरात के गांधीनगर में ये कार्यक्रम 2 दिन चला, जहां सारा अली खान से लेकर कार्तिक आर्यन तक कई सितारों ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से आग लगा दी। अब ये सितारे वापस आ चुके हैं। हाल ही में सेलिब्रिटी फोटोग्राफर वरिंदर चावला ने एक फोटो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है, जहां करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर के साथ कार्तिक आर्यन और सारा अली खान भी मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ स्पॉट हुए। ये वीडियो इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

तू झूठी मैं मक्कार से हसलीन कौर को मिली पहचान

रणबीर कपूर इस दौर के बॉलीवुड के शीर्ष अभिनेताओं में शुमार हैं। कई नए कलाकार उनके साथ काम करने की इच्छा जता चुके हैं, वहीं उनके साथ काम करने वाले सहायक कलाकारों ने उनकी खूब प्रशंसा की है।पिछले साल रणबीर की 2 फिल्में रिलीज हुई थीं। तू झूठी मैं मक्कार और एनिमल से पिछले साल रणबीर ने खूब सुर्खियां बटोरीं।तू झूठी मैं मक्कार की उनकी साथी कलाकार हसलीन कौर ने उनके साथ काम करने पर खुशी जताई है।

तू झूठी...में हसलीन ने रणबीर की बहन का किरदार निभाया था।हसलीन ने इस फिल्म के बारे में कहा, मुझे लगता है कि इस फिल्म ने मुझे पहचान दिलाने का काम किया है। लोग सड़कों पर मुझे रणबीर की अड़ियल, लेकिन प्यारी बहन मिनी के रूप में जानते हैं और मेरे साथ तस्वीरें लेना चाहते हैं। यह बहुत सुखद एहसास है।उन्होंने रणबीर के अभिनय की भी तारीफ की।रणबीर के बारे में हसलीन ने कहा, जब अभिनय की बात हो तो यह उन्हें विरासत में मिला है। यह उनके खून में है, लेकिन वह इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत भी करते हैं। जिस तरह से उन्होंने एक के बाद एक अपनी फिल्मों के लिए अपना लुक बदला है, तू झूठी, ब्रह्मास्त्र, एनिमल वह काबिल-ए-तारीफ है। हसलीन ने को-स्टार श्रद्धा कपूर के बारे में भी कहा कि वह उन्हें फिल्म जगत में अपना दोस्त बुला सकती हैं।लव रंजन की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार पिछले साल होली के मौके पर रिलीज हुई थी। फिल्म में रणबीर और श्रद्धा की जोड़ी नजर आई थी।इस फिल्म में बोनी कपूर ने पहली बार कैमरे के सामने अभिनय किया था। फिल्म में डिंपल कपाड़िया भी थीं।स्टैंडअप कॉमेडियन अनुभव बस्सी ने भी अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया था।इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कारोबार किया था।

तू झूठी...से पहले हसलीन 2014 में कर ले प्यार कर ले में नजर आई थीं।इससे पहले वह सैफ अली खान की फिल्म लव आज कल में भी नजर आ चुकी हैं।

हसलीन ने बताया कि जब उन्होंने लव आज कल में काम किया था, तब उनका अभिनय में करियर बनाने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने इसे एक साधारण मॉडलिंग असाइमेंट समझकर इसमें काम किया था।

जुबली कुमार के साथ फोटो में नजर आ रही एक्ट्रेस के नाम पर ही पड़ गया था उनका हेयर स्टाइल,अपने जमाने की थी सबसे महंगी एक्ट्रेस

गुजरे जमाने का बेहद हिट गाना था, ऐ नरगिसे मस्ताना, जिसने अपने दौर में खूब चर्चा हासिल की थी। ये रोमांटिक गाना फिल्माया गया था उस दौर की हसीन एक्ट्रेस साधना पर जिनके माथे पर करीने से बिखरे हुए बाल ही उनकी पहचान बन गई थी। उन बालों के नीचे तीर सी तनी हुई भौंहें और फिर मतवाले से नैन जो बिना कुछ बोले ही हर बात कह डालते थे. इसी खूबसूरती ने साधना को फैंस का फेवरेट बना दिया था। और, दमदार एक्टिंग ने उन्हें साठ के दशक के आसपास में बॉलीवुड की सबसे महंगी हीरोइन बना दिया था। ये बात फिल्म लव इन शिमला से जुड़ी है जिसकी शूटिंग के दौरान फिल्म के डायरेक्टर आर के नय्यर को लगा कि साधना का माथा बहुत चौड़ा है जो सामान्य हेयर स्टाइल में बहुत अजीब लगता है। तब उन्होंने सुझाव दिया कि अगर कुछ लटें साधना के माथे पर बिखर जाएं तो उनकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। इसके बाद उनके बालों को अलग-अलग तरह से उनके माथे पर सेट किया जाता रहा। कभी स्ट्रेट तो कभी लच्छेदार अंदाज में जुल्फें माथे की चौड़ाई को छुपाती रहीं और साधना की खूबसूरती बढ़ाती रहीं। जिसके बाद इस हेयर स्टाइल को उन्हीं का नाम और पहचान दोनों मिल गई।

साठ के दशक में साधना की पॉपुलेरिटी पीक पर थी। उनकी कई फिल्में हिट रही थीं जिसके बाद वो उस दौर की बॉलीवुड की सबसे महंगी हीरोइनों की फेहरिस्त में शुमार हो गई थीं।1961 में रिलीज हुई उनकी फिल्म हम दो इस कदर हिट हुई कि लोगों की जुबां पर उन्हीं का नाम सुनने को मिलता था। देव आनंद के साथ ये मूवी हिट होने के बाद उन्होंने वक्त,आरजू, राजकुमार,मेरासाया,इंतकाम और एक फूल दो माली जैसी फिल्मों में भी काम किया और कामयाब भी हुई।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर,30 जनवरी 2024(ए)। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें अपना श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी है। साय ने महात्मा गांधी सहित देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि देश पर प्राण न्यौछावर करने वाले वीर बलिदानियों का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। भारत की आजादी के लिए महात्मा गांधी के अतुल्य योगदान को याद करते हुए साय ने कहा कि गांधी जी ने पूरी दुनिया को दिखाया कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर डटे रहकर किस तरह बड़ा लक्ष्य हासिल किया जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की कैबिनेट बैठक होगी आज

विधानसभा सत्र से पहले सरकार ले सकती है बड़े फैसले

रायपुर,30 जनवरी 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 31 जनवरी को शाम 5 बजे मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई है। विधानसभा के बजट सत्र से पहले हो रही इस बैठक में सरकार कुछ बड़े फैसले ले सकती है। बुधवार को होने वाली राज्य कैबिनेट की बैठक में धान खरीदी की तारीख बढ़ाने के प्रस्ताव का अनुमोदन करने के साथ ही कुछ और बड़े फैसले हो सकते हैं।

बघेल की विधानसभा सदस्यता खतरे में

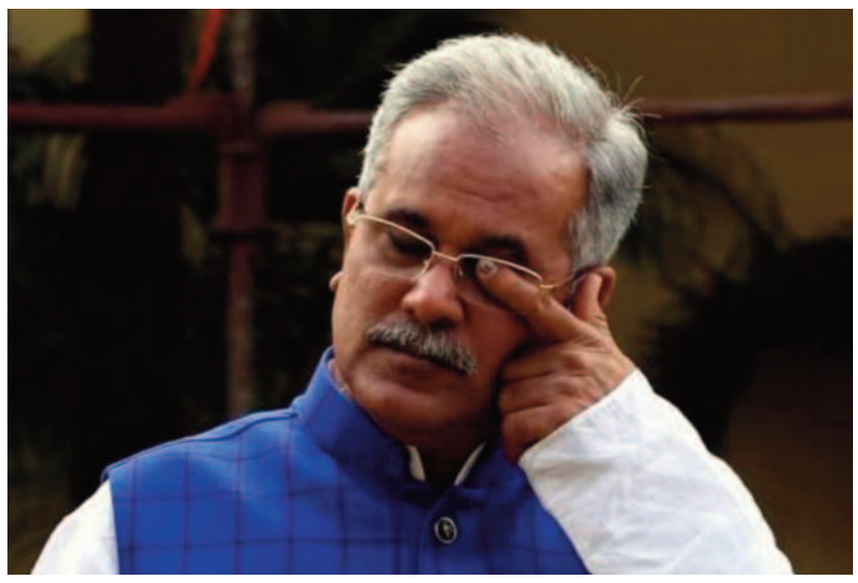

- » भतीजे के याचिका पर हाईकोर्ट का नोटिस
- » पूर्व सीएम भूपेश बघेल की विधानसभा सदस्यता पर आई मुसीबत
- » रायपुर हाई कोर्ट ने विधायक विजय बघेल की याचिका पर जारी किया नोटिस
- » भूपेश बघेल पर नियमों के उल्लंघन के आरोप

रायपुर,30 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम भूपेश बघेल की पाटन विधानसभा सीट पर मुसीबत के बादल मंडरा रहे हैं। पाटन विधानसभा का निर्वाचन नतीजा रद्द किए जाने की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और ऑब्जर्वर को जवाब के लिए नोटिस जारी किया है। यह याचिका बीजेपी सांसद विजय बघेल की ने कोर्ट में दाखिल की थी। विजय बघेल की याचिका में कहा गया था कि विधानसभा चुनाव के दौरान भूपेश बघेल ने चुनाव प्रचार को लेकर नियमों का उल्लंघन किया था।

दुर्ग सांसद विजय बघेल ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। जिसमें में यह कहा गया है कि पाटन विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था। विजय बघेल ने अपनी याचिका में यह भी कहा है कि चुनाव प्रचार थमने के बाद भी भूपेश बघेल के समर्थन में केसरा गांव में रैली निकाली गई थी।

कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल उस समय राज्य के मुख्यमंत्री थे। विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस बल का भी दुरुपयोग किया था। इसको लेकर विजय बघेल ने कोर्ट में साक्ष्य भी पेश किए हैं। मोबाइल वीडियो भी कोर्ट के सामने पेश किए गए हैं।

भूपेश बघेल को देना होगा नोटिस का जवाब

सांसद विजय बघेल की याचिका 17 जनवरी को उच्च न्यायालय में पेश की गई। इस याचिका की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू ने की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तारेंद्र कुमार झा ने अपनी बात रखी थी। याचिका में भूपेश बघेल और ऑब्जर्वर के अतिरिक्त केंद्रीय चुनाव आयोग, राज्य सरकार और जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग को भी पक्षकार बनाया गया है।हाईकोर्ट ने जवाब के लिए पाटन से वर्तमान विधायक भूपेश बघेल और इलेक्शन ऑब्जर्वर को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी के अंतिम सप्ताह में करेगा।

जीतने वाले और सक्षम प्रत्याशियों को ही दिया जाएगा लोकसभा चुनाव का टिकट : अरुण साव

रायपुर,30 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जीत के बाद ही बीजेपी आगमी लोकसभा चुनाव की तैयारियों शुरू कर दी है। वहीं कांग्रेस भी तैयारियों में जुटी हुई नजर आ रही है बीजेपी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रखते हुए लगातार कई बैठकें कर रही है। वहीं प्रदेश प्रभारी ओम माथुर लगातार छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि बीजेपी लोकसभा चुनाव के लिए जल्द ही अपने उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार सकती है।जिसको लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव का बड़ा बयान भी सामने आया है। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि फरवरी में बीजेपी लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर सकती है। अरुण साव ने ये भी कहा कि जीतने वाले और सक्षम प्रत्याशियों को ही टिकट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी हर चुनाव को हमेशा गंभीरता से लेती है और हमेशा नए लोगों को मौका देती रही है।

राजनांदगांव सीट से किसे मिलेगा मौका

- » संतोष पांडे रिपीट होंगे या नए चेहरे को...?
- » लोकसभा की तैयारी सियासी दलों और प्रशासनिक महकमों में जोरों पर

रायपुर/राजनांदगांव,30 जनवरी 2024 (ए)। पूरे प्रदेश में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगरमी तेज हो गई है। भाजपा जहां जीतने वाले कैंडिडेट को लेकर मंथन कर रही है ताकि मिशन 11 में फतह हासिल कर सके। वही कांग्रेस बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतरने के लिए मान मनौव्वल कर रही है। विधानसभा चुनाव निपटने के बाद अब लोकसभा की तैयारी सियासी दलों और प्रशासनिक महकमो में जोरों पर है।

इसी तैयारी के चलते प्रदेश के सबसे चर्चित सीट राजनांदगांव है जिसे डा, रमनसिंह कर्मभूमि कहा जाता है। राज्य डबल इंजन की सरकार है। भाजपा के मौजूदा सांसद संतोष पांडे को क्या फिर से मौका दे सकती है? जिस हिसाब से भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में नए चेहरे को मौका देकर और नए चेहरे का फॉर्मूला देकर पार्टी सफल रही।

लोकसभा में भी अगर यही नए चेहरे का फार्मूला लोकसभा की 11 सीटों में पार्टी तय करती है तब राजनांदगांव में भी नए चेहरे को मौका मिल सकता है। क्योंकि पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, प्रदेश प्रवक्ता नीलू शर्मा व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी इनको लोकसभा का प्रभारी, संयोजक व सहसंयोजक बनाए जाने के बाद आम जनता में यह चर्चा है कि इनको अब लोकसभा का प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा।

जो भाजपा का समीकरण है उसके हिसाब से हो सकता है राजनांदगांव से किसी नए चेहरे को पार्टी मौका दे सकती है। नए चेहरे में अभी कमल सोनी का नाम तेजी से उभरा है। आने वाले समय में संभवतः और कई नए नाम सामने आ सकते हैं। इसलिए नए चेहरे की तलाश कर रही है।

क्योंकि जनता में मोदी लहर के चलते नए चेहरे को देखना चाहती है, लेकिन इस बार राजनांदगांव मुख्यालय से ही लोकसभा से नए प्रत्याशी की संभावना बढ़ गई है। क्योंकि वर्तमान सांसद संतोष पांडे भी कवर्धा के रहने वाले हैं और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी कवर्धा से ही आते हैं और अभी वर्तमान विधायक डॉ. रमन सिंह भी कवर्धा निवासी है।

इसलिए राजनांदगांव मुख्यालय से ही लोकसभा प्रत्याशी की संभावना बढ़ गई है और वहीं लोकसभा का कांकेर प्रभारी अभिषेक सिंह को बनाया गया है। लोकसभा प्रभारी बनाए जाने के कारण इसे अब लोकसभा की टिकट बाहर माना जा रहा है। राजनांदगांव लोक सभा संयोजक मधुसूदन यादव को बनाया गया है।

क्योंकि विधानसभा में नए चेहरे को टिकट देकर पार्टी को लाभ हुआ है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है इसलिए संभवतः 11 के 11 लोकसभा में नए चेहरे पर दाव लगा सकती है। जिससे निश्चित रूप से पार्टी को फायदा होगा। जनता के बीच अब नए चेहरे में कमल सोनी के नाम की चर्चा जारो पर है सूत्रों से पता चला है कि छत्तीसगढ़ के पूरे 11 लोकसभा में नए चेहरे पर दांव लगा सकती हैं।

5 फरवरी से 1 मार्च तक तक रहेगा छत्तीसगढ़ का बजट सत्र

रायपुर, 30 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की विदाई के बाद बनी भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार इस बार अपना पहला बजट पेश करेगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 5 फरवरी से बजट सत्र शुरू होने वाला है। अधिसूचना के अनुसार, सत्र में कुल 20 बैठकें होंगी। सत्र 1 मार्च तक चलेगा। बता दें कि अबतक बजट सत्र के लिए अब तक लगे 1540 सवाल लगाए जा चुके हैं। इनमें 720 तारांकित और 716 अतारांकित सवाल शामिल हैं। इस दौरान बजट पेश होने के साथ नई सरकार की योजनाएं और उन्हें लागू करने के तरीके सामें आएंगे. सरकार इसमें कई बिल ला सकती है। गौरतलब हैं कि छत्तीसगढ़ की छठवीं विधानसभा का भी यह पहला बजट होगा. सत्र 5 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। इसमें सीएम विष्णुदेव साय अपनी सरकार का पहला बजट पेश करेंगे। इस सत्र में जहाँ विपक्ष के आक्रामक रहने के असर हैं तो वही पक्ष भी पिछली सरकार के कथित घोटालों को लेकर भी सदन में मुखर रहेगी। तत्कालीन सरकार से जुड़े मामले भी सदन में उठाये जायेंगे।

सिसोदिया ने कांग्रेस की बूथ कमेटी प्रभारी पद छोड़ा

विनोद वर्मा पर लगाए आरोप

रायपुर,30 जनवरी 2024 (ए)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद से प्रदेश कांग्रेस में विवाद जारी है। इसी कड़ी में पार्टी के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया ने बूथ कमेटी के प्रभारी पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे विनोद वर्मा पर आरोप लगाए हैं।

पूर्व सैनिक सिसोदिया ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को भेजे अपने इस्तीफे में लिखा कि वो 20 वर्षों से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों द्वारा देश के सशक्तिकरण के प्रयासों से प्रभावित कार्य करते रहे हैं। लेकिन विगत 6 माह पूर्व से जिस तरह के घटना क्रम हुए जिसमें मुझे पीसीसी डेलिगेट बनने से रोकने के लिए जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्राकर द्वारा प्रयास किया गया। फिर उन्हें प्रदेश महामंत्री पद से मुक्त कर दिया गया।

सिसोदिया ने बताया कि उन्हें प्रभारी महामंत्री संगठन और प्रशासन की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया। जो कि मुझे अपमानित किये जाने जैसा था। उन्होंने आगे कहा कि विगत 6 माह से योग्यता, कार्यक्षमता व निष्ठा के अनुरूप कोई जिम्मेदारी संगठन से नहीं प्राप्त हुई है जो कि मेरे लिए अपने राजनीतिक सफर पर फिर चिन्तन करने के लिए मजबूर कर रहा है।

आवास एवं पर्यावरण और जल संसाधन विभाग के अधिकारी हुए पदोन्नत,आदेश जारी

कलदियुस तिर्की उप सचिव से बने संयुक्त सचिव

रायपुर,30 जनवरी 2024(ए) । सामान्य प्रशासन विभाग महानदी भवन अटल नगर ने आवास एवं पर्यावरण विभाग में उप सचिव कलदियुस तिर्की को संयुक्त सचिव के पद पर पदोन्नत किया है। यह आदेश अवर सचिव ने जारी किया।

जल संसाधन विभाग ने अधीक्षण और मुख्य अभियंताओं को किया गया पदोन्नत

राज्य सरकार ने जल संसाधन विभाग ने अधीक्षण और मुख्य अभियंताओं को पदोन्नत किया है।यह आदेश जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर से जारी की गई है।

बढ़ सकती है बिजली की दरें

रायपुर,30 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में इस बार बिजली की दरें बढ़ने के संकेत मिल रहे है। वित्तिय वर्ष 2024-25 के लिए बिजली वितरण कंपनी ने नियामक आयोग के पास अपनी याचिका दायर कर दी है, जिसमें कंपनी ने लगभग 4400 करोड़ रुपए के घाटे का आंकलन दिया है। इसमें पिछले वर्षों के नुकसान को भी शामिल किया गया है। बिजली कंपनी की ओर से नियामक आयोग को दिए गए आवेदन में घरेलू उपभोक्ताओं को छोड़ बाकी सभी श्रेणी में बिजली की दरों में औसत बढ़ोतरी के लिए सुझाव दिए गए है। साथ ही साथ उद्योगों को दिए जाने वाले लोड फैक्टर इंसेंटिव में भी कटौती की बात कही गई है।

बस्तर में नक्सली और फोर्स के बीच मुठभेड़

पुलिस कैंप पर माओवादियों का हमला

रायपुर,30 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के संवेदनशील माओवादी इलाके सुकमा-बीजापुर जिले के टेकलगुड़ेम में स्थापित नवीन सुरक्षा कैम्प पर नक्सलियों द्वारा हमले की खबर है। इस वारदात में सुरक्षाबलों के करीब 11 जवानों के घायल और एक की हालत गंभीर होने की सूचना है। घायल जवानों को चॉपर से जगदलपुर रेफर किया गया है।

समाचार लिखे जाने तक कोबरा बटालियन और डीआरजी के जवानों के बीच मुठभेड़ जारी है। फ़िलहाल मामले में कोई आधिकारिक पुष्टि नही हो पाई है। बता दें कि सीआरपीएफ डीजी राजधानी में ही हैं और उन्होंने हाल ही में सीएम विष्णुदेव साय से औपचारिक मुलाकात भी किये थे।

कैम्प स्थापना के पश्चात् जोनागुड़ा-अलीगुड़ा क्षेत्र में गस्त सर्चिंग कर रही कोबरा/एसटीएफ/डीआरजी बल के ऊपर माओवादी द्वारा फायरिंग की गई। सुरक्षा बल द्वारा भी माओवादी फायरिंग का मूंहतोड़ जवाब देते हुये जवाबी कार्यवाही किया गया। सुरक्षा बल के बढ़ते दबाव को देखकर माओवादी जंगल का आड़ लेकर भाग गये। उक्त मुठभेड़ में 01 जवान को गोली लगी तथा 03 जवान मामूली रूप से घायल हुये। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है तथा ईलाज हेतु रायपुर भेजा जा रहा है।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों की बड़ी साजिश फिर नाकाम

- » दो आइईडी बरामद बीडीएस टीम ने किया निष्क्रिय

दंतेवाड़ा,30 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने व दहशत फैलाने की साजिश को सुरक्षा बलों के सतर्क जवानों ने नाकाम कर दिया है। किरंदुल थाना क्षेत्र के हिरोली जाने वाली सड़क पर लगाई दो आइईडी को समय रहते बरामद कर लिया।

माफियाओं ने रेत घाट में खनिज टीम पर किया जानलेवा हमला

- » तोड़फोड़, कौन है इसके पीछे
- » घाटों की वैधता खत्म होने के बावजूद लगातार अवैध खनन जारी

रायपुर/गरियाबंद, 30 जनवरी 2024 (ए)। सरकार बदलने के बाद भी खनिज माफियाओं के आतंक में कोई फर्क नहीं पड़ा। तमाम रेत घाटों में आज भी रेत माफियाओं कब्जा है। जहां वो अपनी मनमर्जी में किसी का भी हस्तक्षेप बर्दास्त नहीं। प्रदेश में खनिज माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि, वो अब सरकारी अधिकारियों को भी नहीं बख्श रहे हैं। ताजा मामला गरियाबंद जिले के पांडुका का है। जहां कुटैना स्थित रेत घाट पर अवैध उत्खनन रोकने पहुंची खनिज विभाग की टीम पर माफियाओं ने हमला कर दिया। विभाग की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई है। इस मामले में अब विभाग एफआईआर दर्ज करने की तैयारी कर रहा है।

पांडुका के कुटैना रेत घाट में लगातार अवैध उत्खनन की शिकायत खनिज विभाग की टीम को मिल रही थी। इसी कड़ी में आज खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। लेकिन माफियाओं ने अवैध उत्खनन का काम बंद करना तो दूर खनिज टीम पर ही हमला बोल दिया है। खनिज विभाग के अधिकारी किसी तरह वहां से अपनी जान बचाकर भागने में सफल हुए। लेकिन उनकी गाड़ियों को भी तोड़ दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश की अलग अलग जिले रेत घाट का ठेका हर साल किया जाता है। लेकिन कुटैना रेत घाट का ठेका इस बार प्रशासन ने किसी को नहीं दिया है। यही वजह है कि, इस बार यहां पर माफियाओं का बोलबाला देखने को मिल रहा है।

सेटिंग का आरोप

बस सत्ता बदलते ही सेटिंग और सेटिंग के बाद देने वाले कलेक्शन का पता बदल गया है। महानदी के कूटेना,कोपरा,चौबेबांधा व कूकदा घाट में 7 से ज्यादा मशीन लगी हुई हैं, जो दिन रात रेत का अवैध परिवहन कर रही है। बताया जाता है कि इन घाटों की वैधता खत्म होने के बावजूद यहा लगातार अवैध खनन जारी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, काम में जुड़े सरगना वहीं हैं।

पूर्व डिप्टी चीफ लेबर कमिश्नर को 4 चार साल की सजा

7 साल पहले ली थी रिश्वत

रायपुर,30 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में पूर्व डिप्टी चीफ लेबर कमिश्नर प्रफुल्ल कुमार नायक को सीबीआई की विशेष अदालत ने 7 साल पुराने मामले में रिश्वत लेने का दोषी पाए जाने के बाद चार साल कैद की सजा सुनाई है। बता दें कि इस मामले में सुनवाई के बाद सीबीआई स्पेशल कोर्ट की न्यायधीश ममता पटेल ने आरोपी प्रफुल्ल नायक को सजा सुनाते हुए 10 हजार रुपए आर्थिक जुर्माने भी लगाया है। सुनवाई के बाद आरोपी प्रफुल्ल कुमार नायक को रायपुर के सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक रजत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 7 अप्रैल 2016 को डिप्टी चीफ लेबर कमिश्नर के पद पर रहते हुए प्रफुल्ल नायक ने कलकत्ता की हिंदुस्तान इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन कंपनी के लेबर लाइसेंस को रिन्यू करने के लिए 22 हजार रिश्वत मांगी थी। जिसके बाद सीबीआई की टीम ने चीफ लेबर कमिश्नर प्रफुल्ल कुमार नायक को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ चार्ट शीट फाइल की गई थी. सभी गवाहों और अंतिम तर्क के बाद न्यायालय ने फैसला सुनाया है।

सीबीआई ने कैसे किया रिश्वतखोरी का भंडाफोड़

गौरतलब है कि, कलकत्ता की हिंदुस्तान इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन कंपनी ने प्रफुल्ल कुमार नायक द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत ष्ट्ब्ढ्ढ से की थी. जिसके बाद सीबीआई की टीम ने प्रफुल्ल कुमार नायक को रंगे हाथ पकड़ने के लिए रिश्वत की पहली किश्त के रूप में 10 हजार रुपए दिए गए. उन नोटों पर सीबीआई की टीम ने पहले से फिलिथिन पाउडर लगा रखा था. जैसे ही उसने रिश्वत लिया, तो टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया.

नियमितीकरण की मांग को लेकर 6 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल

सीएम से मांग पूरी करने का अनुरोध

रायपुर,30 जनवरी 2024 (ए)। नियमितीकरण और ग्रेड पे 7-9 के लिए प्रदेश के लघु वनोपज प्रबंधकों की 6 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगी। इससे प्रदेश में 60 लाख वनपोज संग्राहक प्रभावित होंगे। रविवार को नया रायपुर में छत्तीसगढ़ लघुवनोपज प्रबंधक संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक में हड़ताल का ऐलान किया गया। संघ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और एमडी से मिलकर अपनी मांगे पूरी करने का अनुरोध किया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामाधर लहरे ने कहा कि लघुवनोपज प्रबंधक 36 वर्षो से लघुवनोपज संगठनकर्ता परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे है। इनमें तेंदूपत्ता संग्रहण, भुगतान, बोनस वितरण, 14 लाख परिवारों का बीमा, छात्रवृत्ति और 65 प्रकार के लघुवनोपज का न्यूनतम संग्रहण दर में खरीदी शामिल है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)